www.hindmatamirror.com • वर्ष: 13 • अंक: 37 • ठाणे, शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

दैनिक ठाणे

हिंदमाता मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर



रोहित शर्मा ने 35वां वनडे शतक ठोककर बनाए 6 रेकॉर्ड

पेज 8

@HINDMATAOFFICIAL

अवॉर्ड के बाद बदला है बहुत कुछ : यामी गौतम



8 पेज

सुप्रभात

हर एक चीज में खूबसूरती होती है, लेकिन हर कोई उसे देख नहीं पाता। रत्न बिना रगड़े कभी नहीं चमकते, वैसे ही आदमी का व्यक्तित्व संघर्ष के बिना नहीं निखरता। एक महान व्यक्ति अपनी कथनी से कम, करनी से ज्यादा जाना जाता है। - **कन्फ्यूशियस**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (2 अक्टूबर) 6:27 बजे, सूर्योदय (3 अक्टूबर) 6:29 बजे, **तापमान: 36 डिग्री से.** **(धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

3.27 लाख किसानों के खाते में पहुंचे पैसे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्ज माफी योजना के तीसरे चरण के अंतर्गत राज्य के 3 लाख 27 हजार 250 पात्र किसानों के खातों में कुल 3,160 करोड़ 43 लाख रुपए की विशाल कर्ज माफी राशि हस्तांतरित की जा रही है। इस त्वरित पहल से राज्य के लाखों किसान परिवारों को कृषि ऋण के भारी बोझ से तत्काल मुक्ति मिलेगी। योजना के प्रथम चरण में 6 लाख 22 हजार 207 पात्र किसानों को 5,029 करोड़ रुपए और द्वितीय चरण के तहत 6 लाख 36 हजार 36 पात्र किसानों को 5,086 करोड़ रुपए की सहायता राशि सीधे वितरित की गई थी।

पूर्णेकर के घर पहुंचे उद्धव, बंधाया ढांढस

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे गुरुवार को पार्टी के दिवंगत नेता प्रदीप पूर्णेकर के घर पहुंचे और उनके शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। ठाणे पश्चिम के कापूरबावड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात करीब 9:30 बजे नकाबपोश हमलावरों ने पूर्णेकर के कार्यालय में उन पर गोलियां चलाकर और धारदार हथियारों से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। ठाकरे ने कहा- मैं परिवार को सांत्वना देने, उन्हें साहस देने और यह आश्वासन देने आया था कि हम संकट की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। जब तक इस जघन्य अपराध के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाकर फांसी नहीं दी जाती, हम शांत नहीं बैठेंगे।

गैस की चपेट में आने से चार चोरों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के गोराई इलाके में मनोरी बीच के पास फंसे विदेशी झंडे वाले एक जहाज में कथित तौर पर चोरी के प्रयास के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार दो से तीन दिन पहले आठ लोग स्पीडबोट से जहाज पर पहुंचे। एक व्यक्ति नाव चलाने के लिए वहीं रुक गया, जबकि सात अन्य लोग जहाज पर चढ़ गए। इनमें से चार लोग चोरी के लिए गैस कटर से गैस पाइपलाइन काटने के लिये जहाज के अंदर गए। इसी दौरान बंद जगह में जहरीली गैस का रिसाव होने से कथित तौर पर दम घुटने के कारण चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की उम्र 30 वर्ष से कम है।

नो यूपीआई डे को लेकर दो गुटों में बंटे व्यापारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार के 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर के विरोध में व्यापारियों ने 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआईडे' मनाने का ऐलान किया है। हालांकि इसे लेकर अब व्यापारियों में आपस में ही मतभेद भी देखने को मिल रहे हैं और वे दो ग्रुप में बंटे हुए नजर आ रहे हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने व्यापारियों से गांधी जयंती के दिन यूपीआई क्यूआर कोड, स्कैनर और साउंड बॉक्स ढककर सिर्फ कैश में भुगतान लेने की अपील की है, तो वहीं बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल की अगुवाई वाली कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) का कहना है कि वह 2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे नहीं मनाएगी।

सात किलोग्राम केटामीन के साथ एक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति के पास से कथित तौर पर 21 करोड़ रुपए मूल्य की सात किलोग्राम केटामीन जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया। थाईलैंड के फुकेट जाने वाली उड़ान में सवार होने वाले व्यक्ति को विशेष खुफिया सूचना के आधार पर मुंबई सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) ने रोक लिया। जांच के दौरान सात किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ। जब्त किए गए पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध मादक पदार्थ बाजार में अनुमानित कीमत 21 करोड़ रुपए है।

रायगड के दिवेआगर बीच पर भीषण हादसा

आठ छात्रों की डूबने से मौत



पिकनिक के लिए आलंदी से दिवेआगर पहुंचे थे 42 विद्यार्थी

हिंदमाता नेटवर्क @ रायगड

रायगड के दिवेआगर समुद्र तट पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में आलंदी से पिकनिक पर आए आठ छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में यश किरण वानखेडे, सोहम तुकाराम भांडवलकर, तन्मय दत्तात्रय वाहिले, कौस्तुभ संदीप दौंड, कैवल्य वासनकर, राजवीर वाहिले, प्रणव बनसोडे और सुमित अहिरे शामिल हैं। इस घटना से दिवेआगर में हड़कंप मच गया है, जबकि आलंदी में शोक की लहर फैल गई है। जैसे ही घटना की खबर फैली, स्थानीय लोगों और पर्यटकों में हड़कंप मच गया। दिवेआगर में 'भाऊ मारुति सालुंखे महाकाली वॉटर स्पोर्ट्स' के मालिक भाऊ मारुति सालुंखे और उनकी टीम ने तुरंत खोज अभियान शुरू किया। बता दें कि रायगड जिले में अलीबाग और दिवेआगर जैसे कई मशहूर समुद्री तट (बीच) हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मॉनसून या हाई टाइड के दौरान यहां सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

पानी के तेज बहाव का अंदाजा नहीं

जानकारी के अनुसार आलंदी की विनर्स अकादमी के विद्यार्थी शिक्षकों के साथ दिवेआगर घूमने आए थे। समूह में करीब 30 से 40 विद्यार्थी थे। एक अन्य प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, पूरी टोली में 42 विद्यार्थी शामिल थे, जिनमें 17 छात्राएं और 25 छात्र थे। इसी दौरान कुछ विद्यार्थी समुद्र में नहाने के लिए उतर गए। समुद्र की गहराई और पानी के तेज बहाव का अंदाजा नहीं होने के कारण कुछ विद्यार्थी डूबने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तत्काल मदद के लिए समुद्र तट पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर

स्थानीय लोगों की मदद से आठों छात्रों को समुद्र से बाहर निकाला गया और उन्हें तत्काल बोर्ली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन की मौजूदगी में शवों से संबंधित कानूनी और चिकित्सकीय प्रक्रिया शुरू की गई। प्रशासन ने बताया कि सभी आठ शव बरामद कर लिए गए हैं और आवश्यक कागजी कार्रवाई जारी है।

परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

पिकनिक पर गए आठ विद्यार्थियों की मौत की खबर से उनके परिवारों में मातम पसरा हुआ है। आलंदी में भी इस घटना के बाद शोक का माहौल है। एक साथ आठ युवाओं की मौत से स्थानीय नागरिक भी स्तब्ध हैं। प्रशासन ने समुद्र तट पर आने वाले पर्यटकों से अपील की है कि समुद्र में उतरने से पहले पानी की गहराई, लहरों और समुद्री बहाव की स्थिति की जानकारी लें। साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

प्रशासन की कार्रवाई और मंत्रियों के निर्देश

इस घटना की सूचना मिलते ही राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन तुरंत हरकत में आया। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने घटना का तुरंत संज्ञान लिया और रायगड के जिलाधिकारी से फोन पर बात कर स्थिति की पूरी समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन को बचाव एवं राहत कार्यों में तेजी लाने तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहायता प्रदान करने के आदेश दिए। दूसरी ओर, मंत्री अदिति तटकरे ने भी इस हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन प्रभावितों के संपर्क में है और आवश्यकतानुसार चिकित्सा सहायता के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मानसून और तटीय स्थितियों को देखते हुए शैक्षणिक व निजी यात्राओं के दौरान विशेष सावधानी बरतने का आह्वान किया।

कैप्टन मछार के मुंबई स्थित घर के बाहर जुटी तिरंगा लहराती भीड़

शौर्य पुरस्कार देने की मांग





हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से इजराइल के तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई के एक विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की सह-पायलट की कोशिश को नाकाम करने वाले कैप्टन स्मित मछार के साहस को सलाम करने के लिए गुरुवार को मुंबई के तिलकनगर स्थित उनके आवास के बाहर सैकड़ों नागरिक तिरंगा लहराते हुए एकत्र हुए। स्वास्तिक हाइट्स आवासीय परिसर के बाहर एकत्र हुए लोगों ने अपने हाथों में मछार की तस्वीरें थाम रखी थीं। लोगों ने बुधवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के कॉकपिट में सह-पायलट द्वारा चाकू घोंपे जाने के बाद घायल हुए मछार के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। भारत माता की जय के नारों के बीच तिलकनगर में एकत्र हुए कई लोगों ने मच्छार के लिए शौर्य चक्र जैसे वीरता पुरस्कार या देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की मांग की।

साहस को सलाम: मुंबई में लगे पोस्टर

कैप्टन स्मित मछार की बहादुरी की चर्चा अब उनके मुंबई स्थित घर और सोसाइटी तक पहुंच गई है। स्मित मछार के शौर्य गाथा वाले पोस्टर उनकी सोसाइटी समेत आसपास की अन्य जगहों पर भी लगाए गए हैं। उनकी सोसाइटी में रहने वाले लोग उनके साहस पर गर्व जता रहे हैं और उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सोसाइटी के लोगों ने स्मित की वापसी पर उनका जोरदार स्वागत करने की भी तैयारी की है।

सीएम फडणवीस ने कैप्टन स्मित मछार को सच्चा नायक बताया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कैप्टन स्मित मछार की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा नायक बताया। फडणवीस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मछार ने मुश्किल स्थिति से निपटते हुए सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद दुबई से तेल अवीव की उड़ान के दौरान स्मित ने जिस सूझबूझ और साहस का परिचय दिया, वह अनुकरणीय है। फडणवीस ने स्थिति से निपटने और संकट से सुरक्षित निकलने के लिए यात्रियों द्वारा तत्काल एक टीम के रूप में काम करने की भी सराहना की। उन्होंने मछार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा, आप प्रेरणास्रोत हैं। महाराष्ट्र और भारत को आप पर गर्व है।

मछार बीजेपी विधायक के सहपाठी

पायलट का परिवार घाटकोपर इलाके का निवासी है। इस क्षेत्र से भाजपा विधायक पराग शाह ने कहा कि मछार का सऊदी अरब में इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर हैं। पराग शाह ने कहा, स्मित और मैं एक ही स्कूल से पढ़े हैं। वह मुझसे कनिष्ठ थे। उनके माता-पिता दुबई के लिए रवाना हो गए हैं। फ्लाईदुबई के वरिष्ठ अधिकारी स्मित के साथ हैं और वे परिवार को हर घंटे में उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी दे रहे हैं।

यूएमसी में स्वीकृत नगरसेवक चुनाव में शिवसेना ने मारी बाजी, भाजपा को लगा बड़ा झटका

शिवसेना का खेल, भाजपा हुई फेल!

- सभागृह नेता अरुण आशान की रणनीति रही सफल
- महापौर ने शिवसेना द्वारा प्रस्तुत स्वीकृत नगरसेवकों की सूची को दी मंजूरी

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका में स्वीकृत नगरसेवकों के चुनाव के दौरान राजनीतिक घटनाक्रम ने नाटकीय मोड़ ले लिया। चुनावी प्रक्रिया के बीच भाजपा के दो नामांकन तकनीकी कारणों से खारिज हो गए, जबकि शिवसेना ने अपनी रणनीति के दम पर बाजी मारते हुए पांच सीटों पर कब्जा जमाया। राजनीतिक गलियारों में पूरे घटनाक्रम को लेकर एक ही चर्चा रही– "शिवसेना का खेल, भाजपा हुई फेल।" वर्तमान में महानगरपालिका में शिवसेना के 37 और भाजपा के 36 नगरसेवक हैं। इसी बीच महापौर अश्विनी निकम के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने के मामले में निलंबित भाजपा नगरसेवक प्रधान पाटील चुनाव के दौरान सभाग्रह में पहुंचे, लेकिन निलंबन प्रभावी होने के कारण उन्हें सुरक्षा कर्मियों द्वारा सदन से बाहर कर दिया गया।





मुश्किल में पड़ गई भाजपा

चुनाव के लिए भाजपा ने धनंजय बोडारे, राजेंद्र श्रीखंडे, कपिल अडसूळ और प्रदीप रामचंदानी के नामांकन दाखिल किए थे। जांच के दौरान कपिल अडसूळ और प्रदीप रामचंदानी के नामांकन तकनीकी त्रुटियों के कारण खारिज कर दिए गए। भाजपा के पास वैकल्पिक उम्मीदवारों के नामांकन नहीं होने से पार्टी मुश्किल में पड़ गई।

आड़े आए नियम

इसके बाद भाजपा ने अंतिम समय में महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाळे को दो नए नामों की सिफारिश भेजी। इस पर शिवसेना के सभागृह नेता अरुण आशान और नाना बागुल ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि नामांकन जांच पूरी होने के बाद नए नाम स्वीकार करना नियमों के विरुद्ध है।

अदालत का दरवाजा खटखटाएगी भाजपा

चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभागृह नेता अरुण आशान द्वारा प्रस्तुत स्वीकृत नगरसेवकों के पत्र को महापौर ने स्वीकार कर अंतिम मंजूरी दे दी। इसके बाद सातों स्वीकृत नगरसेवकों के नामों पर आधिकारिक मुहर लग गई। भाजपा ने पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ बताया है। भाजपा गटनेता राजेश वधारिया ने घोषणा की कि पार्टी इस पूरे मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

स्वीकृत सदस्य

शिवसेना: पंचम कालानी, रमेश चौहान, हेमा पिंजानी, निलेश बोबडे और आशा पवार।

भारतीय जनता पार्टी: बाला श्रीखंडे (राजेंद्र श्रीखंडे) और धनंजय बोडारे।

दीपके की चेतावनी- तीन दिन नहीं, तीन महीने जेल में डालो, लेकिन प्रोटेस्ट होकर रहेगा

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

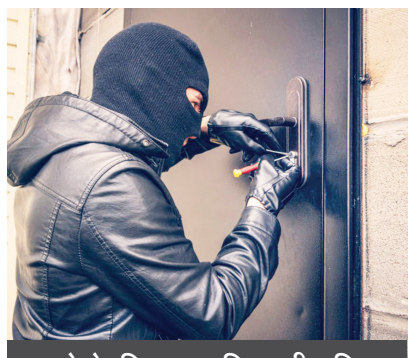
मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी है। दीपके ने कहा कि सरकार उन्हें तीन दिन नहीं, बल्कि तीन महीने के लिए जेल में डाल दे, लेकिन उनका विरोध प्रदर्शन नहीं रुकेगा। सीजेपी ने 2 अक्टूबर को मुंबई में प्रदर्शन का ऐलान किया है और देश के दूसरे राज्यों में भी आंदोलन की बात कही है। मुंबई प्रेस क्लब में बातचीत के दौरान दिपके ने कहा कि अगर प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं भी मिलती है तो वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस, दिल्ली पुलिस नहीं है और उन्हें भरोसा है कि मुंबई पुलिस बेहतर तरीके से स्थिति संभालेगी। उन्होंने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शनों का भी जिक्र किया और कहा कि विरोध के बावजूद लोग अपनी बात रखते रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि प्रदर्शन करने पर तीन दिन तक जमानत नहीं मिलेगी। इसके जवाब में दीपके ने कहा कि अगर सरकार उन्हें तीन महीने तक जेल में रखना चाहती है तो भी वे इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा- तीन दिन नहीं, तीन महीने जेल में डालो, लेकिन प्रोटेस्ट होकर रहेगा।



आईआईटी छात्र के माता-पिता का न्याय के लिए संघर्ष करने को मजबूर होना शर्मनाक

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को कहा कि पिछले महीने आईआईटी-मुंबई के एक छात्र की आत्महत्या को अलग-थलग घटना के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वंचित वर्गों के लोगों में यह भावना पैदा करने के लिए कुछ किए जाने की जरूरत है कि वे भी इन संस्थानों का हिस्सा हैं। अठारह सितंबर को 22-वर्षीय साहिल वाकोडे की आत्महत्या के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए दीपके ने कहा कि यह शर्मनाक है कि किसी ने अपना बच्चा खो दिया और अब उसे न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सुलगते सवाल!



नशे के खिलाफ पुलिस की मुहिम सराहनीय, अब चोरों पर नियंत्रण की रणनीति की जरूरत

हिंदमाता नेटवर्क @ कल्याण

नशे के कारोबार के खिलाफ परिमंडल-3/4 पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर नशा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसी के साथ क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। घरों, दुकानों और वाहनों में चोरी की घटनाओं के कारण नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। ऐसे में नशे के खिलाफ अभियान के साथ-साथ चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए भी पुलिस को प्रभावी रणनीति बनाने की जरूरत है।

मुंढवा जमीन घोटाले की जांच पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

99% शेयर वाले पार्थ पवार पर कार्रवाई क्यों नहीं?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंढवा जमीन घोटाले में महाराष्ट्र सरकार और पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने हैरानी जताई है कि जिस कंपनी ने भारी छूट पर सरकारी जमीन खरीदी, उसमें 99% हिस्सेदारी रखने वाले पार्थ पवार को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया, जबकि 1% शेयर वाले व्यक्ति को आरोपी बना दिया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने पुणे के तहसीलदार सूर्यकांत येवले को अग्रिम जमानत देते हुए यह अहम टिप्पणी की। येवले पर इस विवादित सौदे को बढ़ावा देने के लिए अपने आधिकारिक पद के दुरुपयोग का आरोप है, हालांकि उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया है।

क्या है पूरा मामला?

पुणे के पॉश मुंढवा इलाके में सरकारी स्वामित्व वाली 40 एकड़ जमीन को 'अमेडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी' नामक फर्म को महज 300 करोड़ रुपए में बेच दिया गया था। यह जमीन बोटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया को पट्टे पर दी गई थी। आरोप है कि यह जमीन बिना किसी अनिवार्य सरकारी मंजूरी के और बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर बेची गई। इतना ही नहीं, फर्म को 21 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी से भी छूट दे दी गई थी।

कोर्ट ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाराष्ट्र के डीजीपी के उस हलफनामे को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि मामले में और अधिक पेशेवर और विस्तृत जांच की जरूरत है और पुणे पुलिस कमिश्नर को आगे की जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। हालांकि पुलिस की शुरुआती जांच पर सवाल उठाते हुए जस्टिस जामदार ने कहा कि जांच अधिकारी के रूप में आपका रुख यह है कि जिसके पास 99 प्रतिशत शेयर हैं वह जिम्मेदार नहीं है और आरोपी वह व्यक्ति है जिसके पास 1 प्रतिशत शेयर हैं। क्या 99 प्रतिशत शेयर रखने वाले पार्थ पवार इस सौदे के लाभार्थी नहीं हैं?

हिंदमाता एंकर: वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 2 अक्टूबर से, तीन देशों के 12 शहरों में खेले जाएंगे मैच, कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी, दक्षिण अफ्रीका में 24 सालों बाद खेला जाएगा विश्व कप

क्रिकेट वर्ल्ड 2027 के लिए आईसीसी ने शेड्यूल का किया ऐलान, कुल 57 मुकाबले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाने वाले विश्व कप 2027 के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। विश्व कप शुरू होने में अभी एक साल का समय बाकी है लेकिन क्रिकेट की शीर्ष संस्था ने पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्व कप की शुरुआत 2 अक्टूबर से होगी और इसका फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा।



टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी

विश्व कप में कुल 57 मुकाबले खेले जाने हैं, जो इन तीन देशों के 12 शहरों में खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका में सबसे अधिक 8 शहरों में मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अलावा जिम्बाब्वे में तीन स्टेडियम में मैच होंगे। नामीबिया की राजधानी विंडहक में एकमात्र वेन्यू पर मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। साउथ अफ्रीका में 24 सालों बाद विश्व कप खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 2 अक्टूबर से

वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 2 अक्टूबर से होगी। पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी, जिसके लिए टीमें क्वालीफाइंग राउंड से तय होंगी। ये मुकाबले नामीबिया के विंडहोक में खेले जाएंगे। विश्व कप का फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा।

ग्रुप ए में भारत-पाकिस्तान शामिल

ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान सहित 6 टीमों को शामिल किया गया है। इस ग्रुप में भारत-पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और छठी टीम क्वालीफायर से कन्फर्म होगी। ग्रुप बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड को शामिल किया गया है। इसके अलावा इस ग्रुप में भी छठी टीम क्वालीफायर के बाद ही कन्फर्म होगी।

विश्व कप 2027 का फॉर्मेट

विश्व कप 2027 के लिए आईसीसी ने बिल्कुल ही अलग फॉर्मेट चुना है। 2023 में वर्ल्ड कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला गया था लेकिन इस बार टीमों को ग्रुपों में बांटा गया है। इस बार कुल 14 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं। सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी, जहां तीन टीमें आपस में मुकाबला करेंगी। सुपर सीरीज में जीत हासिल करने वाली टीम अगले चरण के लिए क्वालीफाई करेगी। यहां पर 12 टीमें होंगी, जिन्हें दो ग्रुपों में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज समाप्त होने के बाद सुपर-7 खेला जाएगा, जहां दोनों ग्रुपों में से 3-3 टीमें क्वालीफाई करेंगी। इसके अलावा सातवीं टीम के तौर पर दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को जगह मिलेगी। सुपर-7 से टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी और फिर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

कल्याण में 176 करोड़ की बड़ी धोखाधड़ी

एमएचएडीए प्रोजेक्ट के बिल्डर पर एफआईआर

184 से ज्यादा खरीदार बेघर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



ठाणे जिले के कल्याण पश्चिम में 'टाइकून गोल्ड एवेन्यू' रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में 176 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी के आरोप में डेवलपर्स और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। श्रीकांत दिगंबर शितोले, चेतन सराफ, महेश गोसावी और अन्य के खिलाफ इंडियन पैनल कोड की धारा 3(5), 316(2) और 318(4) के तहत केस दर्ज किया गया है। प्रोजेक्ट का काम 2022 से बंद है, और शिकायत में आरोप है कि सोसायटी की जमीन गिरवी रखी गई थी और निवासियों और फ्लैट मालिकों के साथ धोखाधड़ी की गई थी। पूर्व सांसद कपिल पाटिल ने बिल्डर श्रीकांत शितोले की तरफ से मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी, लेकिन हल नहीं निकलने से अब बिल्डर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कल्याण पश्चिम के चिकनघर इलाके में एमएचएडीए का प्रोजेक्ट विवाद का कारण बन गया है। इस प्रोजेक्ट की वजह से कल्याण पश्चिम में कई राजनीतिक घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

रीडेवलपमेंट का वादा कर नहीं दिया घर

ठाणे जिले के कल्याण पश्चिम में चिकनघर के सर्वे नंबर 22 में एमएचएडीए की एमआईजी स्कीम के तहत शांतिदूत सहकारी हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के रीडेवलपमेंट का काम टाइकून अवंती प्रोजेक्ट्स एलएलपी को दिया गया था। शिकायत में बताया गया है कि यह टाइकून रियल्टीज एलएलपी और सिकॉम रियल्टी लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है। इस मामले में कहा गया है कि नंदा प्रभाकर म्हात्रे ने 29 अगस्त 2021 को प्रोजेक्ट के 'ए' विंग में 11वीं मंज़िल पर फ्लैट नंबर 1101 के लिए 39 लाख 36 हजार 69 रुपए का पेमेंट किया था। आरोप है कि फ्लैट का कब्जा नहीं दिया गया, जबकि जुलाई 2025 तक मिलने की उम्मीद थी।

दसवीं मंज़िल पर काम रुका

शिकायतकर्ता का कहना है कि डेवलपर्स ने प्रोजेक्ट का कंस्ट्रक्शन सिर्फ दसवीं मंज़िल तक ही पूरा किया है, और उसके बाद काम अधूरा रह गया। शिकायत में आरोप है कि 2022 से प्रोजेक्ट का काम पूरी तरह से रुका हुआ है। इस वजह से, नए फ्लैट खरीदारों के साथ-साथ मूल निवासियों को भी घर का कब्जा मिलने में दिक्कत हो रही है।

सोसाइटी की जमीन गिरवी रखने का आरोप

एक गंभीर आरोप यह भी लगाया गया है कि डेवलपर्स को दी गई पावर ऑफ अटॉर्नी का गलत इस्तेमाल करके सोसाइटी की जमीन बैंक के पास गिरवी रख दी गई। शिकायत में कहा गया है कि इस लेन-देन से सोसाइटी के निवासियों और फ़्लैट खरीदारों को पैसे की तंगी हो गई है। आरोप है कि शांतिदूत कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के 184 सदस्यों और सैकड़ों दूसरे फ़्लैट खरीदारों से 176 करोड़ रुपए से ज्यादा लिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि घर के कब्जे, रीडेवलपमेंट और पैसे के लेन-देन को लेकर किए गए वादे पूरे नहीं किए गए हैं। ठाणे पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और चूंकि मामला हाई प्रोफाइल है, इसलिए पुलिस की मुश्किलें भी बढ़ेंगी। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस निरीक्षक प्रेमनाथ शेटे ढोले की देखरेख में आगे की जांच चल रही है। प्रोजेक्ट के फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन, सोसायटी की जमीन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स, बैंक ट्रांजैक्शन और फ्लैट खरीदारों से ली गई रकम की जांच की जाएगी, शिकायत करने वालों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

मीरा-भायंदर जैन नगरी है... नरेंद्र मेहता पर मनसे का पलटवार

• कहा- विभाजनकारी राजनीति बंद करें भाजपा विधायक

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर



महाराष्ट्र के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। ठाणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मीरा-भायंदर क्षेत्र को जैन नगरी बताए जाने के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उनके बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कार्यक्रम में नरेंद्र मेहता ने कहा कि वह ऐसे शहर से आते हैं, जिसे अक्सर मिनी राजस्थान या जैन नगरी कहा जाता है। उन्होंने दावा किया कि मीरा-भायंदर में 33 से अधिक जैन मंदिर हैं और यहां बड़ी संख्या में संत-मुनियों का आना-जाना होता है।

जैन समुदाय के मुद्दों पर हमेशा साथ खड़े रहे

मेहता ने कहा, गुरुदेव का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। पिछला चुनाव बेहद कठिन था, लेकिन उनका आशीर्वाद मुझे प्रेरणा देता है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मेरा जन्म जैन परिवार में हुआ। मीरा-भायंदर में जब भी जैन समुदाय से जुड़े मुद्दे सामने आते हैं, हम मजबूती से उनके साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने अपने स्कूल से जुड़े पुराने विवादों का भी जिक्र किया। मेहता ने बताया कि जैन पर्व पर्युषण के दौरान उनके स्कूल में बच्चों के लंच बॉक्स में कंद-मूल सब्जियां नहीं लाने का नियम लागू किया गया था। इसे लेकर विवाद हुआ, लेकिन उन्होंने कहा कि स्कूल ने अपने निर्णय से पीछे हटने से इनकार किया और अपनी मान्यताओं पर कायम रहा। मेहता ने जैन मुनियों के नंगे पैर चलने के दौरान उनके पैरों को गर्मी से बचाने के लिए सड़कों पर सफेद पट्टियां बनाए जाने के पुराने विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भी विरोध हुआ था, लेकिन वह अपने रुख पर कायम रहे।

मेहता के बयान पर मनसे का पलटवार

मेहता के बयान पर एमएनएस की मीरा-भायंदर विधानसभा इकाई के अध्यक्ष सचिन पोपले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मेहता को विभाजनकारी राजनीति बंद करनी चाहिए। पोपले ने कहा कि मीरा-भायंदर को केवल किसी एक समुदाय से जोड़ना उचित नहीं है और उन्होंने क्षेत्र को कोली, आगरी तथा मराठी लोगों की भूमि बताया। पोपले ने स्कूल में कंद-मूल पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर भी मेहता पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि एमएनएस के विरोध के बाद स्कूल को अपना निर्देश वापस लेना पड़ा था। उन्होंने जैन मुनियों के लिए सड़कों पर बनाई गई सफेद पट्टियों को लेकर हुए विरोध का भी जिक्र किया। एमएनएस नेता ने मेहता पर धार्मिक मुद्दों को लेकर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। हालांकि, ये आरोप एमएनएस की ओर से लगाए गए हैं।

पहले भी हो चुके है विवाद

नरेंद्र मेहता इससे पहले भी कई विवादों में रह चुके हैं। सितंबर में सेवन-इलेवन ग्रुप द्वारा संचालित सेवन स्क्वायर एकेडमी में पर्युषण के दौरान छात्रों के टिफिन में प्याज, लहसुन, चुकंदर और आलू जैसी कंद-मूल सब्जियां नहीं लाने के निर्देश को लेकर विवाद हुआ था। राजनीतिक विरोध और अभिभावकों की आपत्ति के बाद ये निर्देश वापस ले लिए गए थे। मेहता ने उस समय अपने स्कूल की नीति का बचाव किया था।

भायंदर में जमीन विवाद पर भी घिर चुके हैं मेहता

इसके अलावा, मीरा-भायंदर में जमीन विवाद को लेकर भी मेहता से जुड़ी एक संस्था का नाम सामने आया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचपन के परिचित बताए जाने वाले असगर अली वोहरा ने भायंदर ईस्ट में जमीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद की शिकायत की थी। वोहरा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी थी। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई हुई और मेहता से जुड़ी संस्था ने विवादित जमीन का कब्जा छोड़ दिया तथा निर्माण संबंधी मंजूरियां वापस ले लीं।

सेवा संकल्प में बांटे चेक

महिलाओं और बच्चों को आर्थिक सहायता

हिंदमाता संवाददाता @ विरार



वसई-विरार महानगरपालिका के महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम मनपा मुख्यालय सहित प्रभाग समिति आई और एच में आयोजित किए गए।

महिलाओं को मिला अनुदान

'आधारमाया योजना' के तहत 26 एकाकी, वरिष्ठ एवं बेसहारा महिलाओं को 36 हजार रुपए प्रति लाभार्थी के हिसाब से कुल 9.36 लाख रुपए दिए गए। वहीं 'विद्यावर्धिनी योजना' के तहत सात महिलाओं के बच्चों की शिक्षा के लिए कुल 73 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई।

विवाह और उपचार के लिए मदद

कन्या विवाह सहायता योजना के तहत तीन लाभार्थियों की बेटियों के विवाह के लिए कुल 75 हजार रुपए दिए गए। कैंसर पीड़ित तीन महिलाओं को उपचार के लिए 25-25 हजार रुपए की दर से कुल 75 हजार रुपए की आर्थिक सहायता सौंपी गई।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत, महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति बीना माइकल फुट्यार्डो, उपसभापति सुवर्णा अजीत पाटिल, नगरसेवक-नगरसेविकाएं, उपायुक्त डॉ. करुणा जुईकर, सहायक आयुक्त नीलाक्षी पाटिल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आरपीएफ की सख्ती 66.51 लाख जुर्माना

सितंबर में 6,651 मामलों में कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए मुंबई सेंट्रल आरपीएफ ने सितंबर 2026 में विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल 6,651 मामलों में कार्रवाई कर 67.16 लाख रुपए का जुमार्ना वसूला गया। अभियान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया गया।

ट्रैक पार करने पर 3,359 मामले

रेलवे ट्रैक अनधिकृत रूप से पार करने के मामले में धारा 147 के तहत 3,359 लोगों पर कार्रवाई कर 16.79 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया। वहीं दिव्यांग कोच में अनधिकृत प्रवेश के 2,324 मामलों में 34.70 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

अवैध वेंडरों पर भी कार्रवाई

बिना अनुमति सामान बेचने वाले हॉकर और वेंडरों के खिलाफ धारा 144 के तहत 422 मामलों में कार्रवाई कर 8.44 लाख रुपए वसूले गए। महिला कोच में प्रवेश करने वाले 284 पुरुष यात्रियों पर कार्रवाई कर 7.10 लाख रुपए जुमार्ना लगाया गया।

शराब और अन्य मामलों में कार्रवाई

यात्रियों से जबरन पैसे मांगने और उपद्रव के मामलों में 157 किन्नरों पर कार्रवाई की गई। रेलवे परिसर से अवैध शराब ले जाने के 81 मामले सामने आए। नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करने वाले 22 लोगों पर 11 हजार रुपए तथा ट्रेन में धूम्रपान के एक मामले में दो हजार रुपए जुमार्ना वसूला गया।

चोरी के आरोपी को पकड़ा

अभियान के दौरान यात्री सामान चोरी के एक मामले में आरपीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार किया। विशेष संयुक्त टीम में आरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने मुंबई मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। आरपीएफ ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और रेल संपत्ति की रक्षा के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

खेल परिसर के उद्घाटन पर विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ विरार



वसई-विरार महानगरपालिका के नवनिर्माणाधीन खेल परिसर के 3 अक्टूबर को प्रस्तावित उद्घाटन समारोह के निमंत्रण पत्र को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि महापौर की ओर से जारी निमंत्रण पत्र महानगरपालिका अधिकारियों द्वारा प्रसारित किया गया, जो नियमों के अनुरूप नहीं है।

अतिरिक्त आयुक्त से मुलाकात

विपक्ष के नेता मनोज पाटिल के नेतृत्व में भाजपा पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार शाम अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत से मुलाकात कर स्पष्टीकरण मांगा। पाटिल ने आरोप लगाया कि सरकारी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को नजरअंदाज कर राजशिष्टाचार का उल्लंघन किया गया है।

कार्रवाई की मांग

पाटिल ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन होने पर विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है।

आयुक्त से चर्चा का आश्वासन

भाजपा के विरोध के बाद अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत ने मामले से अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि वे महानगरपालिका आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. से चर्चा करेंगे और जल्द ही मामले में आधिकारिक जानकारी व स्पष्टीकरण दिया जाएगा। भाजपा ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है।

उल्हासनगर में स्वच्छता मुहिम

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से उल्हासनगर महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को एक घंटे का विशेष श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान महानगरपालिका के बेड़े में शामिल दो अत्याधुनिक पावर स्वीपिंग मशीनों का लोकार्पण स्वास्थ्य समिति सभापति सविता तोरणे रगड़े ने किया। महापौर अश्विनी कमलेश निकम, आयुक्त मनीषा वाळे और सभागृह नेता अरुण आशान के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान की शुरूआत शिवाजी चौक से हुई। कल्याण-बदलापुर रोड, कल्याण-शांतिनगर मार्ग, छत्रपति शिवाजी महाराज प्रवेश द्वार और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रवेश द्वार सहित प्रमुख मार्गों की सफाई की गई।

सूर्या प्रोजेक्ट में तेजी के निर्देश

महापौर डिंपल मेहता ने अधिकारियों और ठेकेदार को तालमेल से काम पूरा करने को कहा

अरूण चौबे @ मीरा भायंदर



शहर में नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सूर्या वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक महापौर डिंपल विनोद मेहता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रोजेक्ट की मौजूदा स्थिति, विभिन्न स्थानों पर आ रही दिक्कतों, जरूरी अनुमति, तकनीकी मामलों और लंबित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

देरी रोकने के निर्देश

महापौर ने संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों से प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार को निर्देश दिया कि सभी संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ समय के महत्व को ध्यान में रखते हुए काम करें। उन्होंने कहा कि जरूरी कार्रवाई तत्काल पूरी की जाए, ताकि किसी भी कारण से प्रोजेक्ट में अनावश्यक देरी न हो और मीरा भायंदर को जल्द से जल्द सूर्या प्रोजेक्ट का पानी मिल सके।

पानी की जरूरत बढ़ी

शहर में पानी की बढ़ती जरूरत को देखते हुए नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति को जरूरी बताया गया। बैठक में कहा गया कि सूर्या वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद शहर की जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों को अधिक नियमित तथा बेहतर पानी मिल सकेगा।

अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में विधायक नरेंद्रजी मेहता, कमिश्नर राधाबिनोद शर्मा, डिप्टी मेयर ध्रुवकिशोर पाटिल, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन हसमुख गहलोत, हाउस लीडर रवि व्यास, जल एवं सीवरेज समिति चेयरमैन मोहन म्हात्रे, सिटी इंजीनियर दीपक खाम्बित, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर शरद नानेगांवकर, नगरसेवक भगवती शर्मा सहित सूर्या प्रोजेक्ट के अधिकारी, इंजीनियर, एमएमआरडीए के अधिकारी और संबंधित ठेकेदार मौजूद रहे।

अवैध सट्टे पर कार्रवाई की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कथित रूप से संचालित अवैध लॉटरी, मटका और ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस उपायुक्त परिमंडल-4 सचिन गोरे को ज्ञापन सौंपा।

विशेष अभियान चलाने की मांग

ज्ञापन में अवैध कारोबार की व्यापक जांच कर इसके आयोजकों और मुख्य सरगनाओं का पता लगाने के साथ आर्थिक लेन-देन की भी जांच करने की मांग की गई। शिवसेना ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और जिन स्थानों पर पहले कार्रवाई हो चुकी है, वहां दोबारा अवैध गतिविधियां शुरू न हों, इसके लिए नियमित निगरानी की मांग की।

युवाओं को बचाने की अपील

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अवैध लॉटरी और सट्टे के कारण लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ पारिवारिक विवादों का भी सामना करना पड़ता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और युवाओं को ऐसे कारोबार से दूर रखने के लिए पुलिस को लगातार प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, शहर प्रमुख राजेंद्रसिंह भुल्लर, पूर्व नगरसेवक रमेश चव्हाण, कैलास तेजी, के.डी. तिवारी, जितू उपाध्याय सहित शिवसेना और युवासेना के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिंदमाता एंकर: तीसरी लाइन और यार्ड विस्तार के लिए 7 से 18 अक्टूबर तक ट्रैफिक-पावर ब्लॉक, लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित

कसारा में 12 दिन का विशेष ब्लॉक, तीसरी लाइन का काम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मध्य रेल द्वारा आसनगांव-कसारा तीसरी लाइन परियोजना और कसारा यार्ड में अप यार्ड लाइन के विस्तार के लिए 7 से 18 अक्टूबर तक 12 दिनों का विशेष ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके तहत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग, नॉन-इंटरलॉकिंग और पोस्ट-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किए जाएंगे। परियोजना पूरी होने के बाद मेल-एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों को अलग-अलग चलाने में सुविधा होगी तथा भविष्य में अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं की क्षमता बढ़ेगी।

7-9 अक्टूबर का ब्लॉक

7 और 8 अक्टूबर को ब्लॉक दोपहर 3:35 से रात 8:35 बजे तक तथा 9 अक्टूबर को रात 12:30 से सुबह 5:30 बजे तक रहेगा। इसका असर कसारा-खर्डी और उंबरमाली-कसारा के बीच अप-डाउन मेन लाइन तथा कसारा यार्ड पर पड़ेगा।

लोकल सेवा प्रभावित

7 और 8 अक्टूबर को आसनगांव-कसारा के बीच लोकल सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। सीएसएमटी से कसारा जाने वाली 13:10, 14:17, 14:46 और 16:50 बजे की लोकल आसनगांव तक चलेंगी। कसारा से चलने वाली संबंधित लोकल आसनगांव से रवाना होंगी। रात 8/9 अक्टूबर को भी कुछ लोकल रद्द रहेंगी और सेवाओं के समय में बदलाव होगा।

एक्सप्रेस ट्रेनें रिशेड्यूल

ब्लॉक के कारण 12167 एलटीटी-बनारस, 12141 एलटीटी-पाटलिपुत्र, 11057 सीएसएमटी-अमृतसर, 22177 सीएसएमटी-बनारस महानगरी और 22538 एलटीटी-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस को रिशेड्यूल किया गया है। इनकी नई रवाना होने की तारीख और समय 9 अक्टूबर को सुबह 4 से 4:30 बजे के बीच निर्धारित किया गया है।

कई ट्रेनें होंगी रेगुलेट

गोरखपुर-एलटीटी, पुष्पक, अयोध्या कैंट-एलटीटी, बलिया-दादर और ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को इगतपुरी, खर्डी और अटगांव में 30 मिनट से करीब दो घंटे तक रेगुलेट किया जाएगा। भुसावल मंडल में भी कई ट्रेनों को 30 मिनट से 1 घंटे 25 मिनट तक नियंत्रित किया जाएगा।

देरी से चलने की संभावना

ट्रेनों के रेगुलेशन और एक साथ कई ट्रेनों के आने के कारण वंदे भारत, कामायनी, अमृतसर-सीएसएमटी, कुशीनगर, सेवाग्राम, नंदीग्राम, दुरंतो और अन्य कई ट्रेनें देरी से चल सकती हैं। 8/9 अक्टूबर के बाद होने वाले ब्लॉक की जानकारी मध्य रेल द्वारा अलग से जारी की जाएगी। रेलवे ने यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया है।

शॉर्ट स्टोरी

दो पुस्तकों का विमोचन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त) के हिंदी साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 29 सितंबर को पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया। घाटकोपर पश्चिम स्थित हिंदी हाई स्कूल के एमपीएस हॉल में आयोजित समारोह में लेखक दयाशंकर आर. पांडेय की दो पुस्तकों 'लोकतंत्र का आईना' और 'शिक्षा और चिकित्सा' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। स्वागत वक्तव्य महाविद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. स्नेहा देउस्कर ने दिया। मंच संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश शर्मा ने किया। दोनों पुस्तकों का विमोचन हिंदी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि दोनों पुस्तकें वर्तमान समाज का दस्तावेज हैं। 'लोकतंत्र का आईना' प्रशासनिक और सामाजिक व्यवस्था की कमियों पर ध्यान आकर्षित करती है, जबकि 'शिक्षा और चिकित्सा' देश की दो महत्वपूर्ण जरूरतों पर चिंतन प्रस्तुत करती है। मुख्य अतिथि 'नवभारत' के स्थानीय संपादक ब्रजमोहन पांडेय तथा विशिष्ट अतिथि स्टोरीमिरर के संस्थापक बिभु दत्ता राउत, प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी, डॉ. वैभव देवगिरकर और अशोक दुबे उपस्थित रहे। कवि रजनीकांत ने कविता पाठ किया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी, प्राध्यापक और छात्र मौजूद रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. गुप्ता अशोक कुमार ने किया।

चौथी गुप्ता बने मुंबई सचिव

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



वरिष्ठ समाजवादी नेता चौथी प्रसाद गुप्ता को समाजवादी पार्टी के मुंबई अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने मुंबई सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की ओर से उन्हें उत्तर मुंबई में संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। गुप्ता ने पिछले महानगरपालिका चुनाव में समाजवादी पार्टी की ओर से वार्ड क्रमांक 3 से मजबूत दावेदारी पेश की थी। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक कार्य और सक्रियता को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अब उन्हें उत्तर मुंबई में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए काम करना होगा। जिम्मेदारी मिलने के बाद चौथी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने मुंबई अध्यक्ष अबू आसिम आजमी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और पार्टी के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी सक्रियता से काम करेंगे।

रक्तदान शिविर में 112 यूनिट रक्त संग्रह

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में कार्यरत सप्तध्यान फाउंडेशन फॉर हेल्थ, एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटी की ओर से इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 112 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की कमी को दूर करने में सहयोग करना तथा नागरिकों को नियमित रक्तदान के लिए जागरूक करना था। रक्तदाताओं ने सेवा भावना के साथ रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संदेश दिया। कार्यक्रम योगाचार्य सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में लगातार जनकल्याणकारी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। रक्तदान शिविर इसी अभियान का हिस्सा रहा। फाउंडेशन ने शिविर की सफलता के लिए सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही स्वस्थ और योग्य नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान कर मानव जीवन बचाने के अभियान से जुड़ने की अपील की।



सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल वेदव्यास गलगली ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 'मुख्यमंत्री सहायता निधि' के लिए 21,000 की राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनके इस योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

हिंदी माह में सजी साहित्यिक शाम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार की ओर से 'हिंदी माह-2026' के तहत बुधवार शाम हिंदी कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कविता, हास्य, गीत और विविध भावों से सजी साहित्यिक शाम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों और कलाकारों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ हास्य कवि आशकरण अटल, बहुभाषी कवि नवीन चतुर्वेदी, कवि एवं गीतकार प्रबुद्ध सौरभ, शायरा एवं गायिका पूनम विश्वकर्मा, वीररस की कवयित्री श्रद्धा शौर्य तथा अभिनेता-कवि रवि यादव ने काव्य पाठ किया। उनकी प्रस्तुतियों का श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संवेदना और जीवन-अनुभवों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सीईओ रूप राशि भी उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में श्रोताओं ने रचनाकारों का उत्साह बढ़ाया। कवियों ने आयोजन के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा हिंदी विभाग, मुख्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कविता के माध्यम से शब्द जब श्रोताओं तक पहुंचते हैं तो वे मन में अपनी विशेष जगह बना लेते हैं।

भिवंडी में हस्ताक्षर अभियान

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



समाजवादी पार्टी के भिवंडी पूर्व विधायक रईस शेख ने शुक्रवार से शहर में 'वोट चोरी' के आरोपों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ व्यापक हस्ताक्षर अभियान शुरू करने की घोषणा की है। देश में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। रईस शेख ने वीडियो संदेश जारी कर भिवंडी के नागरिकों से अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि अभियान शहर के विभिन्न इलाकों में चलाया जाएगा। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, पुरुषों, व्यापारियों, दुकानदारों, ऑटो रिक्शा और हाथगाड़ी चालकों सहित सभी नागरिकों से हस्ताक्षर करने का आह्वान किया। शेख ने आरोप लगाया कि चुनावों में कथित 'वोट चोरी' लोकतंत्र और संविधान के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनके अनुसार, अभियान के दौरान एकत्र हस्ताक्षरों की प्रतियां राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत की जाएंगी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से संबंधित अपनी प्रक्रियाओं को कानूनी प्रावधानों के अनुरूप बताया है, जबकि विपक्षी दल इन प्रक्रियाओं पर सवाल उठा रहे हैं।

71 वर्षीय वकील से साइबर ठगी

कूरियर के नाम पर व्हाट्सऐप हैक कर परिचितों से मांगे पैसे

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई के बांद्रा पश्चिम में रहने वाले 71 वर्षीय वकील सैयद गुलाम अब्बास काजमी साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गए। 20 सितंबर को उन्हें दो अनजान नंबरों से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को 'ब्लू डार्ट' कूरियर सर्विस का प्रतिनिधि बताया और पार्सल डिलीवरी के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाया।

डिलीवरी के बहाने कराया नंबर डायल

कॉल करने वाले व्यक्ति ने काजमी से कहा कि डिलीवरी बॉय को उनका पता नहीं मिल पा रहा है। पार्सल उन तक पहुंचाने का हवाला देकर जालसाज ने उन्हें अपने मोबाइल से एक विशेष नंबर डायल करने के लिए कहा। काजमी ने जैसे ही बताए गए नंबर को डायल किया, इसके बाद उनके व्हाट्सऐप अकाउंट से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियां शुरू हो गईं।

अचानक व्हाट्सऐप से हुए लॉग आउट

नंबर डायल करने के तुरंत बाद काजमी का व्हाट्सऐप अकाउंट लॉग आउट हो गया। उन्होंने जब दोबारा अपने मोबाइल नंबर से व्हाट्सऐप अकाउंट री-रजिस्टर करने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि अकाउंट में एक अज्ञात ईमेल आईडी लिंक की जा चुकी थी।

जालसाजों ने अकाउंट पर किया कब्जा

आरोप है कि जालसाजों ने कॉल फॉरवर्डिंग या अन्य तकनीकों का इस्तेमाल कर काजमी के व्हाट्सऐप अकाउंट का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। इसके बाद उन्होंने काजमी की पहचान का इस्तेमाल करते हुए उनकी कॉन्टैक्ट लिस्ट में मौजूद लोगों को मैसेज भेजना शुरू किया।

संपर्कों से मांगे गए पैसे

जालसाजों ने काजमी के संपर्कों को भेजे गए संदेशों में तत्काल पैसों की जरूरत बताई। इसके लिए उन्होंने एक क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी भी साझा की और लोगों से रकम ट्रांसफर करने को कहा। इस तरह आरोपियों ने काजमी के परिचितों को भी आर्थिक धोखाधड़ी के जाल में फंसाने की कोशिश की।

कूरियर कॉल को लेकर रहें सतर्क

इस तरह की घटना से कूरियर डिलीवरी के नाम पर आने वाले अनजान कॉल को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत सामने आती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल से कोई विशेष कोड या नंबर डायल करने, अज्ञात लिंक खोलने या निजी जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। व्हाट्सऐप अकाउंट में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत आधिकारिक माध्यम से अकाउंट सुरक्षित करने और साइबर अपराध की शिकायत करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

मुंबई में 2 अक्टूबर से 100 दिन चलेगा डिजिटल स्वास्थ्य अभियान

● जानिए किसे मिलेगा क्या लाभ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 2 अक्टूबर से 100 दिनों का विशेष डिजिटल स्वास्थ्य अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का आभा स्वास्थ्य खाता बनाना है। इसके साथ ही 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान महानगरपालिका के स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुविधा पंजी में शामिल करने के साथ पात्र चिकित्सकों, नर्सों, आयुष पद्धति से जुड़े चिकित्सकों, औषधि विक्रेताओं और भौतिक चिकित्सा विशेषज्ञों का भी स्वास्थ्यकर्मी पंजी में पंजीकरण किया जाएगा।

क्या है आभा स्वास्थ्य खाता

आभा यानी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता प्रत्येक नागरिक के लिए बनाया जाने वाला 14 अंकों का डिजिटल स्वास्थ्य पहचान क्रमांक है। इसके माध्यम से व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़े रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से जोड़ा जा सकता है। इससे अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों में इलाज के दौरान उपलब्ध स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से उपयोग करना आसान हो सकता है। आभा खाता बनना अपने आप में मुफ्त इलाज या स्वास्थ्य बीमा मिलने का प्रमाण नहीं है। यह मुख्य रूप से डिजिटल स्वास्थ्य पहचान से जुड़ी व्यवस्था है।

70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए अलग सुविधा

अभियान में 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी भारतीय नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना से जोड़ने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस योजना में पात्रता के लिए आय की सीमा लागू नहीं है। यदि किसी परिवार में 70 वर्ष से अधिक उम्र के एक से अधिक सदस्य हैं, तो योजना के तहत मिलने वाली अतिरिक्त पांच लाख रुपए तक की सुविधा परिवार के आधार पर साझा होती है। इसे प्रत्येक 70 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्य के लिए अलग-अलग पांच लाख रुपए की सुविधा नहीं माना जाएगा।

राशन दुकानों पर भी बनेंगे स्वास्थ्य कार्ड

महानगरपालिका की योजना में पात्र लाभार्थियों के लिए राशन दुकानों के माध्यम से भी स्वास्थ्य योजना से जुड़े कार्ड बनाने की व्यवस्था रखी गई है। पात्र राशन कार्ड धारकों की पहचान कर उनकी पात्रता की जांच की जाएगी। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक और आशा कार्यकर्ताओं की सहायता से कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के तहत अलग-अलग श्रेणियों में पात्र परिवारों को शामिल किया जाता है। इनमें विभिन्न प्रकार के राशन कार्ड धारक और कुछ विशेष श्रेणियों के लाभार्थी शामिल हैं।

तीन चरणों में चलेगा अभियान

अभियान के पहले चरण में नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी देने के साथ अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए प्रचार सामग्री भी तैयार की जाएगी। दूसरे चरण में बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य पहचान बनाने का काम होगा। महानगरपालिका के अस्पतालों, औषधालयों, अपने दवाखानों, प्रसूति गृहों के अलावा प्रशासनिक कार्यालयों, स्कूलों, महाविद्यालयों, आवासीय सोसायटियों, झोपड़पट्टियों, बाजारों और राशन वितरण केंद्रों पर पंजीकरण की व्यवस्था की जाएगी। तीसरे चरण में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और वंचित वर्गों तक विशेष पहुंच बनाई जाएगी। जरूरत के अनुसार घरों तक पहुंचकर भी सहायता देने और विशेष शिविर आयोजित करने की योजना है।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी होगा डिजिटल बदलाव

इस अभियान का उद्देश्य केवल नागरिकों के स्वास्थ्य खाते बनाने तक सीमित नहीं है। महानगरपालिका की स्वास्थ्य व्यवस्था को डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके तहत मरीजों के लिए डिजिटल पर्ची, इलाज के बाद डिजिटल छुट्टी प्रमाण, जांच और विकिरण संबंधी रिपोर्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देने की योजना है। कुछ सेवाओं में मरीजों के पंजीकरण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के डिजिटल उपयोग को भी आसान बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य संस्थानों और स्वास्थ्यकर्मियों का भी पंजीकरण

अभियान के दौरान महानगरपालिका के सभी स्वास्थ्य संस्थानों को स्वास्थ्य सुविधा पंजी में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। पात्र चिकित्सकों, नर्सों, आयुष चिकित्सकों, औषधि विक्रेताओं, भौतिक चिकित्सा विशेषज्ञों सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्यकर्मी पंजी से जोड़ने की प्रक्रिया भी की जाएगी। इससे देश में विकसित हो रही डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था में स्वास्थ्य संस्थानों और स्वास्थ्यकर्मियों की पहचान दर्ज करने में मदद मिलेगी।

महानगरपालिका ने की नागरिकों से भाग लेने की अपील

महानगरपालिका सार्वजनिक स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष हरीश भंडारगे ने नागरिकों से अभियान में भाग लेने की अपील की है। महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े ने भी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (शहर) प्राजक्ता वर्मा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग को अधिक से अधिक नागरिकों के आभा पंजीकरण के साथ स्वास्थ्य संस्थानों और स्वास्थ्यकर्मियों के पंजीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। मुंबई में यह अभियान 2 अक्टूबर 2026 से शुरू होकर 100 दिनों तक चलेगा। इसका उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य पहचान से जोड़ने के साथ महानगरपालिका की स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ अधिक व्यवस्थित रूप से जोड़ना है।

व्हाट्सऐप मैसेजिंग भी अब पब्लिक व्यू!

आपत्तिजनक फोटो-वीडियो भेजी तो एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज होगा मामला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



अगर आप सोचते हैं कि सोशल मीडिया या व्हाट्सऐप पर किसी को निजी तौर पर आपत्तिजनक फोटो या वीडियो भेजना कानून की नजरों से बच सकता है, तो बॉम्बे हाईकोर्ट का यह फैसला आपकी आंखें खोल देगा। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि एससी या एसटी से संबंधित किसी व्यक्ति की आपत्तिजनक फोटो या वीडियो को व्हाट्सऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शेयर या प्रसारित करना पब्लिक व्यू के दायरे में आता है। ऐसे मामलों में एससी/एसटी एक्ट के कड़े प्रावधान लागू होंगे।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला निखिल थेपाले नाम की अग्रिम जमानत याचिका से जुड़ा हुआ है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 77 (वॉयुरिज्म) और धारा 78 (स्टॉकिंग), आईटी एक्ट की धारा 66(ई) व 67 के साथ-साथ एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले के अनुसार, पीड़ित महिला एससी/एसटी समुदाय से आती है। आरोपी ने उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाने और यौन इच्छाएं पूरी करने की मांग की थी। जब महिला ने इससे इनकार कर दिया, तो आरोपी ने पीड़िता के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें बना लीं। इसके बाद उसने पीड़िता के पति, ननद और अन्य रिश्तेदारों के व्हाट्सऐप पर वे आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो भेज दिए।

बचाव पक्ष का तर्क और हाईकोर्ट का कड़ा रुख

अदालत में आरोपी के वकील ने दलील दी कि व्हाट्सऐप जैसे पर्सनल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर फोटो या वीडियो शेयर करना दो लोगों या चुनिंदा व्यक्तियों के बीच की बात होती है। इसलिए इसे सार्वजनिक दृश्य में किया गया कृत्य नहीं माना जा सकता और इस पर एससी/एसटी एक्ट की धाराएं लागू नहीं होनी चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस यंशिवराज खोबरागड़े की एकल पीठ ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने मामले की सामग्री का अवलोकन करने के बाद माना कि मोबाइल से व्हाट्सऐप पर आपत्तिजनक वीडियो व तस्वीरें प्रसारित करना पहले सार्वजनिक दृश्य के दायरे में आता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करने से सामग्री अन्य लोगों की नजर में आती है, जिससे एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध के आवश्यक तत्व पूरे होते हैं।

फरार आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि मामले में एफआईआर 5 नवंबर 2025 को दर्ज की गई थी और आरोपी तब से लगातार फरार चल रहा था। इससे पहले विशेष अदालत भी उसकी अग्रिम जमानत अर्जियां दो बार खारिज कर चुकी थी। जस्टिस खोबरागड़े ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि अपराध दर्ज होने की तारीख से फरार चल रहा आरोपी अग्रिम जमानत का हकदार नहीं है।

डिजिटल स्पेस भी अब सार्वजनिक स्थान

इस फैसले के साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फैलती आपत्तिजनक सामग्री और सामाजिक उत्पीड़न को लेकर कानून का दायरा और स्पष्ट हो गया है। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस उदय कुमार ने भी एक मामले में कहा था कि एससी/एसटी एक्ट में प्रयुक्त सार्वजनिक शब्द केवल पारंपरिक या भौतिक स्थानों तक सीमित नहीं है। तकनीक और सोशल मीडिया के दौर में इंटरनेट व डिजिटल प्लेटफॉर्म भी इसके दायरे में आते हैं, इसलिए ऑनलाइन किया गया अपमान या उत्पीड़न भी एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

महाराष्ट्र गृह निर्माण सोसायटी पुनर्विकास के नए नियम जारी

अब 51% सदस्यों की मंजूरी अनिवार्य

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की सहकारी गृह निर्माण सोसायटियों में पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) की प्रक्रिया को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए 30 सितंबर, 2026 को नया संशोधित आदेश जारी किया है। पूर्व में लागू 2019 के नियमों में बदलाव करते हुए सरकार ने अब पुनर्विकास की शुरूआत करने और बिल्डर का चुनाव करने जैसे हर अहम कदम पर कम से कम 51 प्रतिशत सदस्यों की मंजूरी अनिवार्य कर दी है। इस ऐतिहासिक फैसले से सोसायटियों में प्रबंध समिति की मनमानी खत्म होगी और पुनर्विकास के नाम पर बिल्डरों व समितियों की धोखाधड़ी का शिकार होने वाले आम नागरिकों को सीधा और बड़ा लाभ मिलेगा।

आम जनता को ऐसे मिलेगा लाभ

अक्सर पुनर्विकास के प्रोजेक्ट सालों तक लटके रहते हैं। नए नियमों के अनुसार निर्माण कार्य शुरू होने के बाद 2 साल (विशेष परिस्थितियों में अधिकतम 3 साल) के भीतर काम पूरा करना अनिवार्य कर दिया गया है। इससे आम लोगों को

समय पर नया मकान मिल सकेगा

किराए और आवास की पक्की व्यवस्था: प्रोजेक्ट पूरा होने तक बिल्डर को सदस्यों को उसी इलाके में वैकल्पिक आवास देना होगा या सदस्यों द्वारा मंजूर किया गया मासिक किराया और डिपॉजिट देना होगा। भ्रष्टाचार पर लगाम: सोसायटी की प्रबंध समिति का कोई भी सदस्य या उनका रिश्तेदार पुनर्विकास का बिल्डर नहीं बन सकता है।

लॉटरी प्रणाली से होगा आवंटन

इसके अलावा टेंडर, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और बैठकों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसी सभी जानकारियां सदस्यों को मुफ्त देखने को मिलेंगी। नए बने घर बांटने के लिए 14 दिन की नोटिस देकर विशेष बैठक बुलाई जाएगी। फ्लैट्स का आवंटन मंजिलों के क्रम से या पारदर्शी लॉटरी प्रणाली द्वारा किया जाएगा, जिससे किसी भी सदस्य के साथ भेदभाव नहीं होगा। मुंबई पुनर्विकास के बाद नए फ्लैट खरीदने वालों को 3 महीने के भीतर सोसायटी की सदस्यता और शेयर सर्टिफिकेट दिया जाएगा। आर्किटेक्ट या प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट का चयन आम सभा में होगा और वह दो महीने में प्रोजेक्ट रिपोर्ट देगा। अखबारों में नोटिस देकर निविदाएं बुलाई जाएंगी और कम से कम तीन निविदाएं जरूरी होंगी, सभी निविदाएं सभा में सबके सामने खोली जाएंगी।

बिल्डर चयन और बैठकों के लिए बनाए कड़े प्रावधान

नए नियमों के अनुसार, पुनर्विकास का प्राथमिक निर्णय या बिल्डर का चयन केवल नियमानुसार चुनी हुई प्रबंध समिति ही कर सकती है, सरकारी प्रशासक को यह अधिकार नहीं होगा। बिल्डर का चयन सरकारी प्रतिनिधि की मौजूदगी में होने वाली विशेष साधारण सभा में ही किया जाएगा। इस बैठक के लिए 2/3 सदस्यों का कोरम आवश्यक रहेगा। 1/5 सदस्यों की लिखित मांग पर गुप्त मतदान की व्यवस्था भी की जाएगी। विदेश या बीमारी के कारण अनुपस्थित सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ सकते हैं, लेकिन कम से कम 51 प्रतिशत सदस्यों का प्रत्यक्ष उपस्थित होना अनिवार्य है।

कर्ज और रुपयों का लालच देकर बनाया शिकार

वर्धा में म्यूल खातों से करोड़ों की ठगी

हिंदमाता नेटवर्क @ वर्धा



वर्धा जिले में साइबर ठगी के लिए म्यूल बैंक खातों के इस्तेमाल के पांच मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार इन खातों के जरिए करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है। अब तक 12 आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और साइबर पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

ठगी की रकम के लिए म्यूल खातों का इस्तेमाल

वर्धा, साइबर अपराधी ऑनलाइन ठगी के लिए लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। अब ठगी की रकम को छिपाने और अलग-अलग खातों में पहुंचाने के लिए म्यूल बैंक खातों के इस्तेमाल के मामले सामने आए हैं। म्यूल खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल किसी अन्य व्यक्ति के कहने पर संदिग्ध या अवैध रकम को जमा करने और आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। वर्धा जिले में पिछले कुछ महीनों में ऐसे पांच गंभीर मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, इन मामलों में करोड़ों रुपए के लेनदेन की जानकारी मिली है।

12 आरोपियों के खिलाफ मामले

इन पांच प्रकरणों में साइबर पुलिस ने अब तक 12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें वर्धा और नागपुर जिले से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में जमा कर बाद में दूसरे खातों में ट्रांसफर किया जाता था। हाल ही में वर्धा निवासी नवीन आहुजा और आशीष दुब्बानी को साइबर पुलिस ने हिरासत में लिया था। फिलहाल दोनों जमानत पर बाहर हैं।

महिलाओं के नाम पर खुलवाए खाते

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने कथित रूप से तीन महिलाओं के नाम पर म्यूल खाते खुलवाए थे। इन महिलाओं को बैंक से कर्ज दिलाने का झांसा दिया गया था। पुलिस के अनुसार, कुछ मामलों में रुपयों का लालच देकर भी बैंक खाते खुलवाए गए। कुछ प्रकरणों में परिचित लोगों को विश्वास में लेकर कुछ दिनों के लिए उनके बैंक खातों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी मिली है। इसके बाद आरोपियों द्वारा इन खातों में ठगी की रकम जमा कराकर उसे अन्य खातों में ट्रांसफर किए जाने की बात सामने आई है।

साइबर पुलिस की विस्तृत जांच

सामने आए पांच मामलों में म्यूल खातों के जरिए करोड़ों रुपए के लेनदेन की जानकारी मिलने के बाद साइबर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस अब खातों में हुए लेनदेन, रकम के स्रोत और उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। साइबर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी अज्ञात या संदिग्ध व्यक्ति को बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, सिम कार्ड या आर्थिक लेनदेन से जुड़ी जानकारी न दें।

चाकू से गोदकर वीडियो कॉल पर दिखाया लाइव

संभाजीनगर में तृतीयपंथी पर जानलेवा हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजीनगर



छत्रपति संभाजीनगर के नारलीबाग स्थित किसान भवन के पास आधी रात को कार रोककर एक तृतीयपंथी पर पांच लोगों के समूह ने कथित रूप से चाकू से हमला किया। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने मारपीट की और मोबाइल वीडियो कॉल के जरिए हमला लाइव दिखाया। सिटी चौक पुलिस ने पांच लोगों के साथ रंजीत नायक उर्फ सलीम शेख और कोमल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

छत्रपति संभाजीनगर आधी रात बदमाशों की गुंडागर्दी

छत्रपति संभाजीनगर, नारलीबाग स्थित किसान भवन के पास आधी रात को कार रोककर एक तृतीयपंथी पर पांच लोगों के समूह ने कथित रूप से चाकू से हमला कर घायल कर दिया। शिकायत के अनुसार हमलावरों ने पीड़ित के साथ मारपीट की और घटना के दौरान वीडियो कॉल के जरिए हमला लाइव दिखाया। इस मामले में सिटी चौक पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता सुवर्णा पोटपिल्लेवार के अनुसार, वह चालक निखिल के साथ कार से घर जा रही थीं। इसी दौरान नारलीबाग स्थित किसान भवन के पास पांच लोगों ने उनकी कार रोक ली।

कार पर पत्थर मारने के बाद हमला

शिकायत के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने कार पर पत्थर मारा। इसके बाद आरोपियों ने सुवर्णा के सिर पर मुक्का मारकर उन्हें नीचे गिरा दिया। आरोप है कि तीन लोगों ने चाकू से वार किए और लात-घूंसों से भी मारपीट की। हमले के दौरान एक आरोपी ने मोबाइल फोन से रंजीत नायक उर्फ सलीम शेख और कोमल के साथ वीडियो कॉल की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वीडियो कॉल के जरिए दोनों को हमले का लाइव प्रसारण दिखाया गया।

सोने की चेन निकालने का भी आरोप

शिकायत में गले में पहनी सोने की चेन निकाल लेने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें धमकी भी दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि उनकी बात नहीं मानने पर उनके साथ-साथ आशा पुजारी के भी टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

इस मामले में पांच आरोपियों के साथ कथित तौर पर वीडियो कॉल पर हमला देखने वाले रंजीत नायक उर्फ सलीम शेख और कोमल के खिलाफ भी सिटी चौक पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। छत्रपति संभाजीनगर पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। हमले में शामिल आरोपियों की भूमिका, वीडियो कॉल और कथित तौर पर छीनी गई चेन सहित अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

किसानों के खातों में तुरंत ट्रांसफर करें धान-अनाज का पैसा

एमएसपी बकाया पर छगन भुजबल के सख्त निर्देश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



महाराष्ट्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत अपनी उपज बेचने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं ग्राहक संरक्षण मंत्री छगन भुजबल ने संबंधित एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे एमएसपी के तहत खरीदे गए धान और मोटे अनाज का प्रलंबित भुगतान बिना किसी देरी के तुरंत किसानों के खातों में जमा कराएं।

भुजबल ने प्रशासन को दिए सख्त निर्देश

मंत्री छगन भुजबल ने स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी उपज की गारंटीकृत राशि समय पर प्रदान करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित देयकों की प्रक्रिया बिना किसी अनावश्यक विलंब के पूरी की जाए और पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधी राशि स्थानांतरित की जाए। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियां उपलब्ध फंड, प्रलंबित देनदारियों और कागजी कार्रवाई की तत्काल समीक्षा करें।

2025-26 विपणन सीजन में हुई रिकॉर्ड खरीद

महाराष्ट्र राज्य में मार्केटिंग सीजन 2025-26 के दौरान एमएसपी के तहत बड़े पैमाने पर धान और मोटे अनाजों की खरीद हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फसलवार खरीद का विवरण इस प्रकार है- धान: 1,03,80,196.70 क्विंटल, मक्का: 10,05,111 क्विंटल, ज्वार: 55,183.70 क्विंटल, रागी: 4,624 क्विंटल, बाजरा: 510.50 क्विंटल, इसके अतिरिक्त, रबी विपणन सीजन में भी धान, ज्वार और मक्के की उल्लेखनीय खरीद दर्ज हुई है। रबी सीजन को मिलाकर कुल 1,08,21,404.60 क्विंटल उपज की खरीद दर्ज की गई है।

विभागवार आंकड़े संकलित

प्रशासन ने अब तक भुगतान की गई राशि और शेष प्रलंबित देयकों की विभागवार जानकारी संकलित कर ली है। मंत्री भुजबल ने खरीद प्रक्रिया में शामिल सभी संस्थाओं को उपलब्ध फंड और प्रशासनिक कार्रवाई का तत्काल जायजा लेने के आदेश दिए हैं।

अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं

भुगतान प्रक्रिया में ढिलाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए मंत्री छगन भुजबल ने कहा, किसानों को उनकी फसल का समर्थन मूल्य समय पर मिलना चाहिए। प्रलंबित भुगतान के मामले में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी सहन नहीं की जाएगी। इस कड़े कदम से राज्य के लाखों किसानों को आर्थिक राहत मिलने और उनके बैंक खातों में जल्द राशि पहुंचने की उम्मीद जगी है।

हिंदमाता एंकर: अब तक 580 स्पेशल ट्रेनों का ऐलान, यूपी-बिहार के लिए और ट्रेनों की घोषणा

दीवाली-छठ पर रेलवे का बड़ा तोहफा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



दीवाली और छठ पूजा पर घर लौटने की तैयारी कर रहे लाखों यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने 162 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। इन नई सेवाओं के साथ ही अब तक घोषित विशेष ट्रेनों की कुल संख्या 580 हो गई है। खासतौर पर मुंबई और पुणे से उत्तर प्रदेश तथा बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की घोषणा की गई है।

एलटीटी-समस्तीपुर-एलटीटी

मध्य रेल की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक एलटीटी-समस्तीपुर-एलटीटी साप्ताहिक एसी स्पेशल की 12 सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 01043 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 13 अक्टूबर से 17 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी, जबकि वापसी ट्रेन 01044 समस्तीपुर से 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को रवाना होगी। इस ट्रेन का ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, जबलपुर, सतना, प्रयागराज छिवकी, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर होगा।

दानापुर के लिए सबसे ज्यादा 88 सेवाएं

यूपी-बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ा ऐलान एलटीटी-दानापुर-एलटीटी दैनिक स्पेशल का है। इस रूट पर कुल 88 सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन 01143 एलटीटी से 9 अक्टूबर से 21 नवंबर तक प्रतिदिन रवाना होगी, जबकि 01144 दानापुर से 10 अक्टूबर से 22 नवंबर तक रोज चलेगी। ट्रेन के मार्ग में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

एलटीटी संतरागाछी के लिए एसी सुपरफास्ट

01107 एलटीटी संतरागाछी के लिए साप्ताहिक एसी सुपरफास्ट ट्रेन चलेगी। उसी तरह 01108 साप्ताहिक एसी स्पेशल ट्रेन 8 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक प्रत्येक गुरुवार को संतरागाछी से 11बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 9:30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। ट्रेन ठाणे शहर, कल्याण, इगतपुरी (01108 के लिए), नासिक रोड, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर और खड़गपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

एलटीटी-बनारस-एलटीटी

05168 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 18 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को शाम 6:10 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 00:50 बजे बनारस पहुंचेगी। 05167 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 17 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को 9:50 बजे बनारस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 4:50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इसका ठहराव ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, बुरहानपुर, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, छियोकी और वाराणसी होगा।

दिल्ली के लिए भी स्पेशल

खड़की- हजरत निजामुद्दीनझ खड़की द्वि-साप्ताहिक एसी सुपरफास्ट स्पेशल की 28 सेवाएं होंगी। 01483 द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल दिनांक 6 अक्टूबर से 20 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को खड़की से शाम 5:30 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन 6.10 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। 01484 द्विसाप्ताहिक एसी स्पेशल ट्रेन दिनांक 7 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक प्रत्येक बुधवार और शनिवार को हजरत निजामुद्दीन से 10:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 11 :15 बजे खड़की पहुंचेगी। इनका ठहराव लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और मथुरा जंक्शन होगा।

आरक्षण 2 अक्टूबर से

01411 साप्ताहिक स्पेशल 15 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक प्रत्येक गुरुवार को 9:45 बजे खड़की से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 6:45 बजे सांगानेर पहुंचेगी। 01412 साप्ताहिक स्पेशल 16 अक्टूबर से 20 नवम्बर तक प्रत्येक शुक्रवार को 11:35 बजे सांगानेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 9:30 बजे खड़की पहुंचेगी। ठहराव लोनावला, कल्याण, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, रतलाम, कोटा

विचार प्रवाह



एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है, एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है।
- विंस्टन चर्चिल

संपादकीय

सुरक्षाबलों में बढ़ती असुरक्षा

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान द्वारा अपने ही चार साथियों की गोली मारकर हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर पनप रहे तनाव और असुरक्षा के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस एके-47 से गोलीबारी कर इस वारदात को अंजाम दिया। कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लाने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि उसका अंत चार जवानों की मौत के रूप में हुआ। यह घटना बताती है कि सुरक्षा बलों के भीतर आपसी विवाद और मानसिक तनाव की अनदेखी कितनी घातक साबित हो सकती है। दूर-दराज के क्षेत्रों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से दूरी, छुट्टियों में देरी और कठिन सेवा शर्तों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लगातार दबाव में काम करने से उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में जवानों के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान देना जरूरी है। सुरक्षा बलों में हथियार ड्यूटी का अनिवार्य हिस्सा हैं। इसलिए मामूली विवाद भी गंभीर रूप ले सकता है। हालांकि, हर विवाद हिंसा में नहीं बदलता, लेकिन तनाव और असामान्य व्यवहार के शुरूआती संकेतों की पहचान करके समय रहते हस्तक्षेप करना आवश्यक है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में जवानों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना समय की मांग है। शिकायतों को गंभीरता से सुनने, निष्पक्ष जांच करने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने से कार्यस्थल पर तनाव कम किया जा सकता है। इसके साथ ही जवानों को आसानी से मनोवैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराया जाना चाहिए। हथियारों के सुरक्षित इस्तेमाल और विवाद की स्थिति में जोखिम कम करने के लिए भी ठोस उपाय जरूरी हैं। सुरक्षा बलों में अनुशासन और निगरानी के साथ मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कुछ वर्ष पहले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने के लिए गृह मंत्रालय की एक टास्क फोर्स गठित की गई थी। इसमें कठोर सेवा शर्तों, छुट्टी मिलने में देरी, विशेषकर पारिवारिक आपात स्थितियों में छुट्टी नहीं मिलना, अधिकारियों की आलोचना, उत्पीड़न और साथियों के अनुचित व्यवहार को हिंसक प्रतिक्रियाओं के संभावित कारणों में शामिल किया गया था। कठुआ की घटना की जांच में भी यह पता लगाना जरूरी है कि कहीं ऐसी परिस्थितियां तो इस त्रासदी की वजह नहीं बनीं। साथ ही, निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं और निगरानी व्यवस्था के पालन की भी जांच होनी चाहिए। चार जवानों की मौत के लिए जवाबदेही तय करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। आज सुरक्षा बलों में उच्च शिक्षा प्राप्त युवा भी बड़ी संख्या में भर्ती हो रहे हैं। वे अपने साथ नई सोच, आकांक्षाएं और कार्यशैली को लेकर आते हैं। दूसरी ओर, सुरक्षा बलों का ढांचा और अनुशासन काफी हद तक पुरानी व्यवस्थाओं पर आधारित है। ऐसे में नई पीढ़ी की अपेक्षाओं और पारंपरिक कार्यप्रणाली के बीच मतभेद पैदा हो सकते हैं। अधिकारियों और जवानों के बीच संवाद की कमी भी तनाव बढ़ा सकती है। बेशक, सुरक्षा बलों में कठोर अनुशासन और आदेशों का पालन अनिवार्य है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि जवानों की समस्याओं और भावनाओं की अनदेखी की जाए। देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा का दायित्व संभालने वाले जवानों का मानसिक रूप से स्वस्थ और संतुलित रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए सेवा शर्तों में व्यावहारिक सुधार, समय पर छुट्टियां, पारदर्शी शिकायत निवारण, नियमित मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और अधिकारियों के साथ बेहतर संवाद को प्राथमिकता देनी होगी। कठुआ की घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि सुरक्षा बलों की आंतरिक व्यवस्था पर आत्ममंथन का अवसर भी है। अनुशासन और सुरक्षा के साथ जवानों की मानवीय जरूरतों को महत्व देकर ही ऐसी त्रासदियों को रोकने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकते हैं।

आज का इतिहास



■ 1492 - ब्रिटेन के किंग हेनरी सप्तम ने फ्रांस पर आक्रमण किया।
■ 1924 - राष्ट्रसंघ को शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से लाया गया जेनेवा प्रस्ताव 1924 महासभा द्वारा स्वीकृत हुआ किंतु बाद में उसकी पुष्टि नहीं हुई।
■ 1951 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की।
■ 1952 - सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत हुई।
■ 1961 - बम्बई (अब मुंबई) में शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया का गठन।
■ 1971 - तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने गांधी सदन के नाम से प्रसिद्ध बिड़ला हाउस देश को समर्पित किया। यहीं पर महात्मा गांधी की हत्या हुई थी।
■ 1982 - तेहरान में बम विस्फोट से 60 मरे, 700 घायल।
■ 1985 - दहेज निषेधाज्ञा संशोधन अधिनियम अस्तित्व में आया।
■ 1988 -कोरिया के सिओल में 24वें ओलंपिक खेलों का समापन। तमिलनाडु में मंडपम और पम्बन के बीच समुद्र के ऊपर सबसे लंबा पुल खुला।
■ 2000 - रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भारत की चार दिवसीय यात्रा दिल्ली पहुंचे।
■ 2001 - 19 देशों के संगठन नाटो ने अफगानिस्तान पर हमले के लिए हरी झंडी दी।
■ 2003 - हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैडगेसे भारत की यात्रा पर आये।
■ 2004 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कांगों में 5900 सैनिक भेजने का प्रस्ताव मंजूर किया।
■ 2006 - दक्षिण अफ्रीका ने परमाणु ईंधन आपूर्ति मामले पर भारत को समर्थन देने का फैसला किया।
■ 2007 - उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच दूसरी शिखर बैठक सम्पन्न हुई।
■ 2012 - नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 20 छात्रों की हत्या की।
■ 1997 - लवलीना बोरगोहेन - भारतीय मुक्केबाज खिलाडी हैं।
■ 1985 - भव्या लाल-नासा में भारतीय मूल की अमेरिकी वैज्ञानिक हैं।
■ 1979 - हंगपन दादा - 'अशोक चक्र' से सम्मानित भारतीय सेना के जांबाज सैनिक थे।
■ 1967-अर्देम पटापौटियन- अमेरिका के प्रसिद्ध आणविक जीव विज्ञानी, तंत्रिका वैज्ञानिक हैं।
■ 1933 - शंकर शेष - हिन्दी के प्रसिद्ध नाटककार तथा सिनेमा कथा लेखक थे।
■ 1869 - महात्मा गांधी - भारत के राष्ट्रपिता

सूखे की मार से बेहाल किसान

एल नीनो के प्रभाव से महाराष्ट्र में गहराता जल संकट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एल नीनो के प्रभाव से बारिश में आई कमी ने महाराष्ट्र को भीषण सूखे के मुहाने पर ला खड़ा किया है। मराठवाड़ा और विदर्भ में इसका सबसे अधिक असर दिखाई दे रहा है। नदियां और नाले सूख चुके हैं, जबकि बांधों और तालाबों में आधे से भी कम पानी बचा है। आने वाली गर्मियों में जल संकट का दायरा और बढ़ने की आशंका है। महाराष्ट्र वर्ष 1974 से सूखे की समस्या का सामना कर रहा है। पिछले सात-आठ वर्षों से लगभग हर साल राज्य के किसी न किसी हिस्से में सूखे जैसी स्थिति बन रही है। यह संकट केवल कम बारिश का परिणाम नहीं है, बल्कि जल प्रबंधन, कृषि नीतियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को भी उजागर करता है।



राहत के इंतजार में किसान

■ राज्य के 265 तालुकों में पहले ही सूखा घोषित किया जा चुका है। इसके बाद 43 और तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित करने का शासनादेश जारी हुआ है। प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए पंचनामे किए जा रहे हैं। प्रशासन किसानों को सलाह दे रहा है कि वे खेतों में खड़ी फसल न काटें और न ही जुताई करें, ताकि फसल बीमा के दावे में परेशानी न हो। लेकिन किसानों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें कितनी आर्थिक सहायता मिलेगी और यह राशि कब तक उपलब्ध होगी। राहत की स्पष्ट घोषणा नहीं होने से किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। खेतों तक पहुंचने वाले जनप्रतिनिधियों को भी उनके आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। हर बार सूखे के बाद कुछ अस्थायी राहत देकर जिम्मेदारी पूरी मान लेना समस्या का समाधान नहीं है।

कृषि विकास की अनदेखी

■ कभी अतिवृष्टि तो कभी सूखा, किसान हर साल किसी न किसी प्राकृतिक संकट से जूझता है। सरकार की ओर से भू-राजस्व में छूट, शिक्षा शुल्क में राहत और कृषि पंपों के बिजली बिल माफ करने जैसे कदम उठाए जाते हैं। लेकिन खेती के बुनियादी विकास से जुड़े मुद्दे लंबे समय से उपेक्षित हैं। खेतों तक पहुंचने वाले रास्तों, भूमि माप, सिंचाई, खेतों की मेड़बंदी और कृषि आधारित योजनाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है। किसानों को आज भी गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और कीटनाशक आसानी से उपलब्ध नहीं होते। हर साल घटिया बीजों को लेकर हजारों शिकायतें दर्ज होती हैं। राज्य में चार कृषि विश्वविद्यालय होने के बावजूद उनके अनुसंधान का लाभ खेतों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच रहा है। कई विश्वविद्यालयों की अपनी सैकड़ों एकड़ जमीन भी अनुपयोगी पड़ी है। निजी क्षेत्र में भी किसानों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कृषि अनुसंधान सीमित दिखाई देता है।

दौरे नहीं, ठोस फैसले जरूरी

■ सूखे की स्थिति का जायजा लेने के लिए मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और प्रशासनिक अधिकारियों के खेतों तक पहुंचने का सिलसिला जारी है। फसलों के पंचनामे किए जा रहे हैं और किसानों के हस्ताक्षर लिए जा रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर उन्हें मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री और मंत्री किसानों के साथ मजबूती से खड़े होने का भरोसा दे रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसानों को वास्तव में इस भरोसे का लाभ मिल रहा है? केवल दौरे, निरीक्षण और घोषणाएं उनकी समस्याएं दूर नहीं कर सकतीं। सरकार को अपने खर्चों में कटौती करके शुरूआत करनी चाहिए। वीआईपी काफिलों और अनावश्यक सरकारी खर्चों में कमी लाकर बचाई गई राशि सूखा प्रभावित किसानों के पुनर्वास पर खर्च की जाए, तभी सरकार के प्रति उनका विश्वास मजबूत होगा।

पांच साल की दीर्घकालीन योजना

■ किसानों को संकट से स्थायी राहत दिलाने के लिए कम से कम पांच वर्षों तक लगातार प्रभावी कृषि योजनाएं लागू करनी होंगी। बीज, खाद और कीटनाशक पांच प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराने, कम ब्याज दर पर दीर्घकालीन फसल ऋण देने और मनरेगा के माध्यम से खेतों में मजदूर उपलब्ध कराने जैसे उपाय जरूरी हैं। इसके साथ ही खेती के लिए दिन में पर्याप्त और नियमित बिजली, फसलों का उचित समर्थन मूल्य तथा खेतों से ही उपज की कटाई और खरीद की व्यवस्था विकसित करनी होगी। किसानों को उनकी उपज का भुगतान भी सीधे मौके पर मिलना चाहिए। ऐसी व्यवस्थाओं से खेती की लागत घटेगी और किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी।

वास्तविक किसानों की पहचान

■ सरकारी योजनाओं का लाभ किसे मिलना चाहिए, इस पर भी गंभीरता से विचार करना जरूरी है। जिन परिवारों की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है, उन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दूसरी ओर, रियल एस्टेट निवेश, फार्महाउस या शौक के लिए खेती करने वाले और आयकर चुकाने वाले शहरी किसानों की अलग श्रेणी बनाई जा सकती है। इससे सीमित सरकारी संसाधनों का उपयोग जरूरतमंद किसानों के लिए अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। खेतिहर मजदूरों की बढ़ती मजदूरी और उनकी उपलब्धता की समस्या ने भी किसानों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। ऐसे में केवल प्रति हेक्टेयर 13,500 रुपए की सहायता से गंभीर संकट का सामना कर रहे किसानों को उबारना मुश्किल है। सूखे से प्रभावित किसानों को बिना अनावश्यक प्रक्रियाओं में उलझाए प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपए की सहायता देने की मांग पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कर्ज के जाल में फंसा किसान

■ सूखे के बीच किसानों के लिए फसल ऋण की उपलब्धता भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीयकृत बैंक इस वर्ष भी कृषि ऋण देने में अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा रहे हैं। कर्जमाफी को लेकर भी स्पष्टता का अभाव है। कई जगह कर्जमाफी के बाद भी किसानों से ब्याज वसूले जाने की शिकायतें सामने आती हैं। मजबूरी में किसान निजी साहूकारों के पास पहुंचते हैं, जहां उन्हें ऊंची ब्याज दरों और शोषण का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरकार को तत्काल आर्थिक सहायता के साथ कर्ज संबंधी समस्याओं का भी समाधान करना होगा। किसान को केवल फसल बचाने की नहीं, बल्कि अपने परिवार का जीवन चलाने की भी चिंता है।

समाज भी निभाए अपनी जिम्मेदारी

■ सूखे से निपटने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। किसानों के सामने आजीविका का संकट इतना गहरा है कि समाज के सामूहिक सहयोग की भी जरूरत है। मंदिरों में दान के रूप में बड़ी धनराशि जमा होती है। उद्योगपतियों और कॉरपोरेट कंपनियों के पास भी पर्याप्त संसाधन हैं। ऐसे समय में उन्हें आगे आकर प्रभावित किसानों की सहायता करनी चाहिए। आर्थिक मदद, खाद्यान्न और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों से हजारों परिवारों को राहत मिल सकती है।

■ सूखा हर साल लौटता है, लेकिन किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान अब भी अधूरा है। सरकार को राहत और पुनर्वास के साथ सिंचाई, कृषि अनुसंधान, बाजार व्यवस्था और आर्थिक सुरक्षा पर समान रूप से ध्यान देना होगा। किसानों की दशा सुधरेगी, तभी ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह सुनिश्चित करना केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है कि सूखे की मार झेल रहे किसानों के घरों में दशहरा और दिवाली का उजाला बना रहे।

दवाओं की कीमतों पर मुनाफे का खेल

● दवा की कीमतों में भारी अंतर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है, लेकिन जब जीवनरक्षक दवाएं ही मुनाफाखोरी का माध्यम बन जाएं तो पूरी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कैंसर की दवाओं की कीमतों में भारी अंतर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने केंद्र सरकार को जिस तरह फटकार लगाई है, वह इसी गंभीर समस्या की ओर इशारा करता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष यह मामला आया कि कैंसर की एक दवा खुदरा विक्रेताओं को करीब तीन हजार रुपए में उपलब्ध कराई जाती है, जबकि मरीजों को इसके लिए 27 हजार रुपए तक चुकाने पड़ते हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने सवाल उठाया कि लगभग दस गुना अधिक वसूली से मिलने वाली रकम आखिर किसकी जेब में जा रही है? कोलेस्ट्रॉल की दवा की कीमत में भी ऐसा ही अंतर सामने आया। विक्रेताओं को 70 रुपए में मिलने वाली गोलियां मरीजों को 240 रुपए में बेची जा रही हैं।



मूल्य नियंत्रण का दायरा बढ़ाने की जरूरत

■ केंद्र सरकार के वर्ष 2013 के औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश के तहत 384 दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य के अलावा 16 प्रतिशत तक अतिरिक्त मूल्य की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के सवालों से यह मुद्दा सामने आया है कि मूल्य नियंत्रण का दायरा इतनी सीमित दवाओं तक ही क्यों रखा गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ और जनहित में काम करने वाले संगठन लंबे समय से कम से कम एक हजार दवाओं को इस व्यवस्था के तहत लाने की मांग करते रहे हैं। न्यायालय की टिप्पणी से इस मांग पर विचार का रास्ता खुलता दिखाई दे रहा है। हालांकि, मामले की सुनवाई अभी जारी है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा है कि सरकार को इसका समाधान निकालना होगा। अब देखना यह है कि यह आश्वासन ठोस नीतिगत बदलाव में कितना बदलता है।

अस्पतालों की मनमानी से बढ़ता आर्थिक बोझ

■ इस पूरे मामले का एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि दवाओं की बढ़ी हुई कीमतों का लाभ हमेशा दवा बनाने वाली कंपनियों को नहीं मिलता। सरकार की ओर से भी यह स्वीकार किया गया कि बड़े अस्पतालों में दवाओं की बिक्री से अस्पतालों को अधिक फायदा होता है। कई निजी अस्पताल मरीजों के परिजनों को अपने परिसर में स्थित या निर्धारित दुकानों से ही दवाएं खरीदने के लिए बाध्य करते हैं। बाहर से दवाएं लाने पर उपचार में बाधा डालने या इलाज से इनकार करने जैसी शिकायतें भी सामने आती रही हैं। कुछ विशेषज्ञ डॉक्टर भी मरीजों को खास दुकानों से दवाएं खरीदने की सलाह देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में मरीजों के पास सस्ती दवाएं तलाशने का विकल्प सीमित हो जाता है। इलाज की गुणवत्ता के लिए अधिक खर्च करना अलग बात है, लेकिन दवाओं के नाम पर मनमानी वसूली किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराई जा सकती।

नियमों के बावजूद गरीब मरीजों की उपेक्षा

■ निजी अस्पतालों की मनमानी केवल दवाओं की कीमतों तक सीमित नहीं है। जिन अस्पतालों को सरकारी सुविधाओं का लाभ मिला है या रियायती दरों पर जमीन आवंटित की गई है, उनके लिए गरीब मरीजों को निर्धारित संख्या में धर्मार्थ बिस्तर उपलब्ध कराना और कम दरों पर उपचार देना अनिवार्य है। इसके बावजूद कई बड़े और कॉरपोरेट अस्पताल इन नियमों का पालन करने में आनाकानी करते हैं। सरकारी निगरानी और कार्रवाई का भय नहीं होने से ऐसे अस्पतालों का मनोबल बढ़ता है। सरकारी तंत्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों से निकटता का लाभ उठाकर नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। विडंबना यह है कि बेहतर उपचार की उम्मीद में बड़े अस्पतालों का रुख करने वाले मरीजों और उनके परिजनों को कई बार आर्थिक शोषण का सामना करना पड़ता है। कम कीमत वाले इंजेक्शन और जरूरी दवाओं के लिए भी उनसे अधिक रकम वसूली जाती है।

सरकारी निगरानी की कमजोर व्यवस्था

■ दवाओं की कीमतों और उनकी बिक्री पर नियंत्रण रखना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए संबंधित विभाग और नियामक संस्थाएं बनाई गई हैं, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं और अस्पतालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के उदाहरण कम दिखाई देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बात पर चिंता जताई कि अस्पतालों द्वारा निर्धारित दुकानों से दवाएं खरीदने की बाध्यता के कारण मरीजों को सस्ती दवाएं खरीदने का अवसर नहीं मिलता। नियमों के अनुसार अस्पताल मरीजों को किसी विशेष दुकान से दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। इसके बावजूद ऐसी प्रथाओं का जारी रहना नियामकीय व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है। सरकार को केवल नियम बनाने तक सीमित रहने के बजाय उनके पालन की नियमित निगरानी करनी चाहिए। अस्पतालों में दवाओं की खरीद और बिक्री की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

चिकित्सा क्षेत्र में नैतिकता का सवाल

■ सरकार ने 25 सितंबर 2020 से एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड यानी नैतिकता एवं चिकित्सा पंजीकरण मंडल को कार्यरत किया था। इस व्यवस्था का उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मानकों को मजबूत करना भी है। लेकिन जब मरीजों से जरूरी दवाओं के लिए कई गुना अधिक कीमत वसूली जाती है, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इसे चिकित्सा नैतिकता का उल्लंघन नहीं माना जाना चाहिए? मरीज डॉक्टरों और अस्पतालों पर भरोसा करके अपना उपचार कराते हैं। ऐसे में इस भरोसे का व्यावसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है। चिकित्सा सेवा और व्यापार के बीच एक स्पष्ट सीमा होनी चाहिए। अस्पतालों को उचित शुल्क लेने का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की आड़ में मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाने की छूट नहीं दी जा सकती।

प्रेरक प्रसंग

धर्मबुद्धि और पापबुद्धि



हिम्मत नगर में धर्मबुद्धि और पापबुद्धि नाम के दो मित्र रहते थे। एक दिन पापबुद्धि के मन में लालच आया कि क्यों न वह धर्मबुद्धि के साथ दूसरे देश जाकर धन कमाए और बाद में किसी युक्ति से उसका सारा धन हड़प ले। उसने धन और ज्ञान प्राप्ति का लालच देकर धर्मबुद्धि को अपने साथ चलने के लिए राजी कर लिया। शुभ मुहूर्त में दोनों मित्र दूसरे शहर के लिए रवाना हुए। वे अपने साथ काफी सामान ले गए और उसे अच्छे दामों पर बेचकर खूब धन कमाया। इसके बाद दोनों खुशी-खुशी अपने गांव लौटने लगे। गांव के पास पहुंचकर पापबुद्धि ने कहा, "मित्र, सारा धन एक साथ गांव ले जाना ठीक नहीं है। इससे लोगों में ईर्ष्या पैदा होगी और चोरों का भी डर रहेगा। बेहतर होगा कि कुछ धन जंगल में किसी सुरक्षित स्थान पर गाड़ दें। सीधे-साधे धर्मबुद्धि ने उसकी बात मान ली। दोनों ने जंगल में एक गड्ढा खोदकर अपना सारा धन गाड़ दिया और घर लौट आए। कुछ दिनों बाद पापबुद्धि ने रात के अंधेरे में जंगल जाकर सारा धन चुपके से निकाल लिया। कुछ समय बीतने पर धर्मबुद्धि को धन की आवश्यकता हुई। उसने पापबुद्धि से धन निकालने के लिए जंगल चलने को कहा।जब दोनों ने गड्ढा खोदा, तो वहां कुछ भी नहीं मिला। पापबुद्धि जोर-जोर से रोने लगा और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगा दिया। दोनों न्यायाधीश के पास पहुंचे। न्यायाधीश ने सत्य जानने के लिए परीक्षा का आदेश दिया। इस पर पापबुद्धि ने कहा कि वनदेवता इस मामले में गवाही देंगे।

■ दरअसल, पापबुद्धि ने अपने पिता को एक सूखे पेड़ के खोखले में छिपा दिया था। न्यायाधीश ने पेड़ से पूछा तो अंदर से आवाज आई कि धन धर्मबुद्धि ने चुराया है। धर्मबुद्धि को संदेह हुआ। उसने पेड़ के नीचे आग लगा दी। आग की लपटें उठने लगीं। गर्मी और धुएं से परेशान होकर पापबुद्धि का पिता पेड़ से बाहर निकल आया।

■ उसने सारी सच्चाई बता दी कि पापबुद्धि ने ही धन चुराया था और उसे झूठी गवाही देने के लिए मजबूर किया था। सच्चाई सामने आने पर न्यायाधीश ने पापबुद्धि को मृत्युदंड दिया और धर्मबुद्धि को उसका पूरा धन वापस दिलवाया। सीख : मनुष्य को कोई भी उपाय करते समय उसके संभावित नुकसान के बारे में भी अवश्य सोचना चाहिए। साथ ही, लालच और छल का अंत हमेशा बुरा होता है।

राशिफल

मेष- कार्यक्षेत्र में आपकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार में नए विचारों और नेटवर्किंग से लाभ मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में आपसी समझ बढ़ेगी और दूरियां कम होंगी। धन की स्थिति सामान्य रहेगी, बुद्धिमानी से निवेश करें।

वृषभ-कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, धैर्य बनाए रखें। व्यापारिक मामलों में वित्तीय योजना बनाकर चलना लाभदायक रहेगा। परिवार और प्रियजनों के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। अनावश्यक लेनदेन से बचें, आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी।

मिथुन- कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट या प्रोजेक्ट विस्तार के अवसर मिलेंगे। व्यापार में साझेदारी और संवाद कौशल से बड़ा लाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता और भावनात्मक नजदीकी बनी रहेगी। आय के नए साधन बन सकते हैं, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क- कार्यस्थल पर आपकी मेहनत को सराहा जाएगा और सहयोग मिलेगा। व्यापारिक सौदों में थोड़ी सतर्कता और सोच-समझ की जरूरत है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और आपसी तालमेल रहेगा। पुराने रुके हुए पैसे वापस मिलने की संभावना बन सकती है।

सिंह- करियर में प्रगति के योग हैं, आपकी नेतृत्व क्षमता चमकेगी। व्यापार में नए सौदों पर बातचीत शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। प्रेम संबंधों में नया उत्साह और आकर्षण बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कन्या- कार्यक्षेत्र में सतर्कता से काम लें और समय सीमा का ध्यान रखें। व्यापार में किसी भी बड़े निवेश से पहले पूरी जांच-परख कर लें। परिवार में बड़ों की सलाह और सहयोग आपके काम आएगा। आय और व्यय का संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

तुला-नौकरी और करियर में नए अवसर आपका ध्यान आकर्षित करेंगे। व्यापार में रुकी हुई योजनाएं गति पकड़ सकती हैं। दांपत्य व प्रेम जीवन में सामंजस्य और विश्वास बढ़ेगा। अचानक धन लाभ या आर्थिक प्रगति के संकेत हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहेंगे।

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर आपकी बुद्धिमत्ता भारी पड़ेगी। व्यापारिक योजनाओं में नया मोड़ आ सकता है, सतर्क रहें। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा, अपनों का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे मजबूती आएगी।

धनु- रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और कार्यस्थल पर प्रशंसा होगी। व्यापार में विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। संतान पक्ष से खुशी की खबर मिल सकती है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे और आय में वृद्धि हो सकती है।

मकर- कामकाज का दबाव रहेगा, इसलिए कार्यों को प्राथमिकता दें। व्यापारिक मामलों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। घर-परिवार में किसी बात को लेकर संयम से बातचीत करें। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद आवश्यक है। शारीरिक थकान महसूस हो सकती है।

कुंभ- आपकी बुद्धिमानी से कार्यक्षेत्र की जटिल समस्याएं हल होंगी। व्यापार में नए साझेदारों या ग्राहकों से लाभ होगा। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, मानसिक शांति मिलेगी।

मीन-कार्यस्थल पर अपनी बात और विचारों को प्रभावी ढंग से रख पाएंगे। व्यापार में मध्यम लाभ के योग हैं, नई रणनीतियों पर ध्यान दें। परिवार में किसी मांगलिक या शुभ कार्य की रूपरेखा बनेगी। बचत पर ध्यान देने से भविष्य के लिए धन संचय होगा।

पटाखों पर पूरी तरह बैन नहीं, लेकिन 24 घंटे भी नहीं जला सकेंगे: सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने से लोगों की भावनाएं आहत होंगी, इसलिए न तो पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा और न ही चौबीसों घंटे पटाखे फोड़ने की इजाजत दी जाएगी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने कहा कि पटाखे चलाने के लिए समय तय करके बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए।



■ पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि हम यह बात बिल्कुल साफ कर देना चाहते हैं। न तो हम पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं और न ही हम उन्हें दिन के 24 घंटे पटाखे जलाने की इजाजत देंगे। पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने से लोगों की भावनाएं आहत होंगी। और अगर उन्हें पूरे दिन पटाखे जलाने की इजाजत दी गई, तो इसका बुरा असर बुजुर्गों, बीमार लोगों और बच्चों समेत सभी जीवित प्राणियों पर पड़ेगा। उसने कहा कि हमें कोई ऐसा समाधान खोजना होगा जिससे हम एक निश्चित समय दे सकें।

■ सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने एक नोट पेश किया। इसमें कहा गया कि सीएसआईआर-एनईईआरआई की सिफारिश के अनुसार, खास 'अगली पीढ़ी के संयुक्त हरित पटाखे' के मामले में सीमित और सशर्त छूट पर विचार किया जा सकता है। इसके लिए शोर, उत्सर्जन और सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करना होगा और इन पटाखों को कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनईईआरआई) के सहयोग से विकसित, अगली पीढ़ी के हरित पटाखे कम उत्सर्जन के लिए कम मात्रा में बेरियम लवणों के साथ तैयार किए गए नए-फॉर्मूले वाले आतिशबाजी उत्पाद हैं।

■ उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह 15 अक्टूबर को पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल से संबंधित मुद्दे पर विचार करेगी। दिवाली से पहले एक महत्वपूर्ण राहत देते हुए, न्यायालय ने पिछले साल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरित पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी, जिसमें परंपराओं को पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करने के उद्देश्य से शर्तें लगाई गई थीं। अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि हरित पटाखों का उपयोग दिवाली से पहले दिन के कुछ निर्धारित घंटों और त्योहार वाले दिन तक ही सीमित रहेगा।

योगी ने 'एक जनपद, एक माफिया' का मॉडल तैयार किया: राजेंद्र पाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 'एक जनपद, एक माफिया' का मॉडल तैयार किया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अपराधियों तथा सत्ता के बीच गठजोड़ का खामियाजा दलितों, पीड़ितों और शोषितों को भुगतना पड़ रहा है। पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में हर दिन औसतन नौ हत्याएं, 10 हत्या के प्रयास, नौ बलात्कार, 33 अपहरण और करीब 235 हिंसक अपराध हो रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हाल के दिनों में उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली को लेकर 'बेहद सख्त' टिप्पणियां की हैं। गौतम ने दावा किया कि अदालत की टिप्पणियों में उत्तर प्रदेश में 'भाजपा राज में जारी अराजकता' का जिक्र किया गया है और यहां तक कहा गया कि उत्तर प्रदेश पुलिस को भंग कर देना चाहिए।

बेटियों पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक हो रहे हैं



उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज में अपराधियों और सत्ता के बीच का गठजोड़ दलितों, पीड़ितों और शोषितों के खिलाफ है तथा रसूखदारों के लिए काम करता है। कांग्रेस नेता अभय दुबे ने आरोप लगाया कि योगी सरकार ने अपराधियों को इतना संरक्षण दिया है कि वे 'खुलेआम जनता को परेशान' करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में हत्या, लूट और बलात्कार जैसे अपराध चरम पर हैं। यहां बेटियों पर सबसे ज्यादा एसिड अटैक हो रहे हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक जनपद, एक माफिया' का मॉडल तैयार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार में एक जाति विशेष के अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। दुबे ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की जनता योगी आदित्यनाथ से पूछ रही है कि आखिर कब तक तांडव चलेगा? दुबे ने कहा कि यही कारण है कि उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय जैसी संस्थाओं ने उत्तर प्रदेश को लेकर कड़ी टिप्पणियां की हैं। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य इमरान मसूद ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में 'सिर्फ नफरत फैलाई जा रही है।' उन्होंने कहा कि यहां जोड़ने की नहीं, सिर्फ तोड़ने की बातें की जा रही हैं। मसूद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री ही 'परलोक के दर्शन करवा देंगे' जैसी बातें बोलने लगें तो दूसरों से क्या उम्मीद की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये अहंकार है, जिसे लोगों को समझने की जरूरत है।

तमिलनाडु: एसआईआर में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटे, वामदलों का विरोध तेज

हिंदमाता नेटवर्क @ चेन्नई

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत राज्य में कथित तौर पर 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने के विरोध में वामपंथी दलों ने गुरुवार को पूरे तमिलनाडु में प्रदर्शन तेज कर दिए। वामदलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे या उनके खिलाफ महाभियोग लाने की मांग की। यहां वाशरमैन पेट के पास एक प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर का इस्तेमाल चुनिंदा मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के हथियार के रूप में किया जा रहा है। षणमुगम ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए निर्वाचन आयोग अपने उस मूल कर्तव्य से भटक गया है, जिसके तहत सभी योग्य नागरिकों को मताधिकार देना, निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराना और ईमानदारी से चुनाव कराना शामिल था।



■ नुंगमबाक्कम में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुई माकपा पोलित ब्यूरो की सदस्य वासुकी ने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें सीईसी को हटाना, एसआईआर कवायद को रोकना, हटाए गए नामों को दोबारा जोड़ना और निर्वाचन आयोग की चयन समिति का पुनर्गठन करना शामिल है। उन्होंने कहा कि जिस निर्वाचन आयोग के पास अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी थी, वह अब 13 करोड़ लोगों का मताधिकार छीनने वाला निकाय बन गया है। उन्होंने बताया कि वामदल इस मुद्दे पर व्यापक विरोध दर्ज कराने के लिए गैर-इंडिया गठबंधन दलों जैसे आम आदमी पार्टी (आप) से भी संपर्क कर रहे हैं। के. के. नगर में सभा को संबोधित करते हुए भाकपा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी) के राज्य सचिव वीरपांडियन ने सीईसी की कार्रवाई को 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया और केंद्र सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

सिर्फ वेतन के आधार पर यह तय नहीं होगा

ओबीसी क्रीमी लेयर को लेकर हाईकोर्ट का अहम फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) क्रीमी लेयर को लेकर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति को OBC क्रीमी लेयर में शामिल करने के लिए सिर्फ वेतन से होने वाली आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। क्रीमी लेयर निर्धारित करते समय माता-पिता का पद, उनकी सेवा की प्रकृति, सेवा काल और सामाजिक परिस्थितियों समेत अन्य प्रासंगिक पहलुओं पर भी विचार करना होगा। यह मामला सिविल जज की बेटी रागिनी राठौर की याचिका से जुड़ा है। रागिनी ने OBC प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवेदन किया था। स्थानीय सक्षम अधिकारियों ने उनके आवेदन को निरस्त कर दिया था। आवेदन खारिज करने के पीछे उनके पिता की करीब 16 लाख रुपए सालाना आय को आधार बनाया गया था। अधिकारियों की ओर से OBC क्रीमी लेयर के लिए निर्धारित 8 लाख रुपए की आय सीमा का हवाला दिया गया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट बोला- तय करते वक्त यह देखना जरूरी

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर तय करने के लिए आय का आकलन करते समय यह देखना जरूरी है कि आय किस स्रोत से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही माता-पिता का पद, सेवा की स्थिति और अन्य परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया, जिनमें केवल वेतन के आधार पर क्रीमी लेयर निर्धारित करने को लेकर आपत्ति जताई गई थी।

छह सप्ताह के भीतर दोबारा विचार करें

फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित सक्षम अधिकारी को निर्देश दिया है कि रागिनी राठौर के OBC प्रमाणपत्र के आवेदन पर छह सप्ताह के भीतर दोबारा विचार किया जाए। अधिकारी को सभी प्रासंगिक पहलुओं की जांच करने के बाद स्पष्ट और कारणयुक्त आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

क्रीमी लेयर की मौजूदा आय सीमा में कोई बदलाव नहीं

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हाईकोर्ट के आदेश से OBC आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था या क्रीमी लेयर की आय सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कोर्ट ने किसी नई आय सीमा को लागू नहीं किया है, बल्कि क्रीमी लेयर के निर्धारण की प्रक्रिया में सभी जरूरी पहलुओं को ध्यान में रखने की बात कही है। फैसले के बाद अब OBC प्रमाणपत्र और क्रीमी लेयर से जुड़े मामलों में केवल आय का आंकड़ा देखने के बजाय संबंधित व्यक्ति की सामाजिक और सेवा संबंधी परिस्थितियों पर भी विचार करना होगा।

प्रधान न्यायाधीश और न्यायाधीशों से मिलने वाली है संसदीय समिति, यह असंवैधानिक होगा: सिब्बल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने गुरुवार को दावा किया कि देशभर में एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयकों पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति 6 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ इस मुद्दे पर 'अनौपचारिक चर्चा' करने वाली है। उन्होंने इसे 'असंवैधानिक' और शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के विपरीत बताया। सिब्बल ने कहा कि यह कदम अभूतपूर्व है और उन्होंने अपने पूरे कानूनी करियर में ऐसा उदाहरण नहीं देखा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जिस कानून को बाद में उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है, उसी के बारे में न्यायाधीशों को यह बताना उचित नहीं है कि कानून कितना अच्छा है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार न्यायाधीशों को बता रही है कि कानून कितना अच्छा है। यही वह कानून



है, जिसके खिलाफ याचिका दायर की जाएगी और उच्चतम न्यायालय तय करेगा कि याचिका वैध है या नहीं तथा कानून को रद्द किया जाना चाहिए या बरकरार रखा जाना चाहिए। निर्दलीय राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कानून बनाना संसद का अधिकार है और कानून की संवैधानिक वैधता की समीक्षा करना अदालत का दायित्व।

भारत में रिन्यूएबल एनर्जी को बड़ा बूस्ट, कैबिनेट ने 1.86 लाख करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मौजूदा पावर ग्रिड को मजबूत करने और ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए 1.86 लाख करोड़ रुपए (19.42 अरब डॉलर) के रिन्यूएबल एनर्जी कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सूचना मंत्री ने बुधवार को कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी। सरकार के मुताबिक इस कार्यक्रम के तहत 1.36 लाख करोड़ रुपए राज्यों के भीतर ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करने पर खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य 135 गीगावाट (GW) तक की स्वच्छ ऊर्जा को ग्रिड के जरिए आगे पहुंचाने की क्षमता विकसित करना है। यह मंजूरी ऐसे समय में दी गई है, जब भारत में रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता लगातार बढ़ रही है और इसके साथ ही बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी विस्तार देने की जरूरत बढ़ रही है। सरकार ने 50 गीगावाट-घंटे (GWh) की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता विकसित करने के लिए 50,000 करोड़ रुपए की इंसेंटिव योजना को भी मंजूरी



दी है। सरकार का मानना है कि दिन के समय पैदा होने वाली स्वच्छ ऊर्जा को बाद में इस्तेमाल करने के लिए पर्याप्त स्टोरेज क्षमता विकसित करना जरूरी है। भारत ने 2030 तक अपनी गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता को मौजूदा करीब 304 GW से बढ़ाकर 500 GW करने का लक्ष्य रखा है। नई योजनाओं को इसी लक्ष्य की दिशा में ट्रांसमिशन और स्टोरेज ढांचे को मजबूत करने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

महानदी विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल, शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा की उच्चस्तरीय बैठक

हिंदमाता नेटवर्क @ रायपुर

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



अमित शाह की पहल से समाधान की उम्मीद

मुख्यमंत्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वर्षों से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संघवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच जल संबंधी प्रश्नों का सौहार्दपूर्ण समाधान राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय से जटिल विषयों पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का वातावरण बना है।

संवाद और वैज्ञानिक तथ्यों से निकलेगा टिकाऊ समाधान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी से संबंधित विषय में भावनाओं के साथ वैज्ञानिक तथ्यों का भी उतना ही महत्व है। छत्तीसगढ़ को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता तथा केंद्रीय जल आयोग के निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी तकनीकी आकलन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जल उपलब्धता, वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, सिंचाई, पेयजल, पर्यावरणीय जरूरतों और दोनों राज्यों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का समग्र अध्ययन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। तकनीकी स्तर पर तथ्य स्पष्ट होंगे और राजनीतिक स्तर पर संवाद एवं विश्वास कायम रहेगा तो निश्चित रूप से ऐसा समाधान निकल सकता है, जो दोनों राज्यों को स्वीकार्य हो और आने वाली पीढ़ियों के हित में भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों के परामर्श और केंद्र सरकार की मध्यस्थता से जो न्यायसंगत एवं व्यावहारिक समाधान सामने आएगा, छत्तीसगढ़ उसे सकारात्मक भावना से आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करेगा।

महानदी विवाद नहीं, सहयोग की धारा बने: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध सदियों पुराने हैं। दोनों प्रदेशों की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली में अनेक समानताएं हैं। उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ की आस्था और शिवरीनारायण से पुरी तक जुड़े सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी आस्था और संस्कृति हमें जोड़ती है। महानदी भी इसी साझा विरासत और जीवन का हिस्सा है। इसलिए महानदी को विवाद की रेखा नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और विश्वास की धारा बनाना हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों की प्राथमिकता अपने किसानों और नागरिकों का हित है। दोनों राज्यों के नेतृत्व को जमीनी आवश्यकताओं की समझ है। इसलिए परस्पर विश्वास के साथ ऐसा रास्ता निकाला जा सकता है जिसमें छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों के किसानों को लाभ मिले और दोनों राज्यों के विकास की आवश्यकताएं भी पूरी हों।

बस्तर की तरह दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वय से समाधान की दिशा में बढ़ने का विश्वास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने केंद्र और राज्य के बीच मजबूत समन्वय के सकारात्मक परिणामों को बस्तर में करीब से देखा है। नक्सलवाद जैसी दशकों पुरानी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास और जनविश्वास को साथ लेकर जिस समन्वित दृष्टिकोण से काम किया गया, उससे बस्तर में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जटिल और लंबे समय से लंबित विषयों में भी जब स्पष्ट इच्छाशक्ति, निरंतर संवाद और सभी पक्षों के बीच विश्वास हो, तो समाधान की दिशा में निर्णायक प्रगति संभव है। महानदी के विषय पर भी इसी सकारात्मक भावना से दोनों राज्य आगे बढ़ सकते हैं।

तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर संवाद रहेगा जारी

महानदी जल विवाद के समाधान को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच राजनीतिक एवं तकनीकी स्तर पर संवाद लगातार आगे बढ़ रहा है। इससे पूर्व भी दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र सरकार के स्तर पर चर्चा हुई है। तकनीकी विषयों के समाधान के लिए केंद्रीय जल आयोग की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया है। महानदी जल बंटवारे से संबंधित विवाद के समाधान के लिए वर्ष 2018 में महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था। इसके समानांतर आपसी संवाद और तकनीकी विमर्श के माध्यम से दोनों राज्यों के लिए स्वीकार्य समाधान की संभावनाओं पर भी लगातार काम किया जा रहा है।

असम पुलिस के 75वें दिवस पर राज्यपाल ने बहादुरी और सेवा को सलाम किया



पंकज नाथ @ असम

असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज 1 अक्टूबर को 123 असम कमांडो बटालियन, मंडकाटा में आयोजित 75वें असम पुलिस दिवस पर कहा कि असम पुलिस की लंबी सेवा, साहस और बलिदान की परंपरा ने इसे सार्वजनिक विश्वास का एक मजबूत स्तंभ बनाया है। राज्यपाल ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अधिकारियों और कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि पुलिसिंग की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है और हर नागरिक जब पुलिस के पास जाए तो उसे सुना जाने और आत्मविश्वास का अनुभव होना चाहिए। महिलाओं को सुरक्षित महसूस करना चाहिए, कमजोर वर्ग को यह भरोसा होना चाहिए कि पुलिस उनके साथ है, और हर नागरिक का पुलिस पर विश्वास बना रहे– यही लोगों-केंद्रित दृष्टिकोण असम पुलिस के नारे 'जनकल्याणार्थ, जनसेवायाम' का वास्तविक अर्थ है। आधुनिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए आचार्य ने कहा कि असम पुलिस ने डेटा एनालिटिक्स, साइबर फोरेंसिक्स, डिजिटल साक्ष्य, सीसीटीवी, ड्रोन, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम और आधुनिक संचार तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इस वर्ष 10वें बटालियन के नए मुख्यालय की आधारशिला रखने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आधुनिक अवसंरचना बल को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। ड्रग्स के खिलाफ असम पुलिस की अनवरत कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नशा युवा जीवन को बर्बाद करता है, परिवारों को प्रभावित करता है और समाज को कमजोर करता है। उन्होंने नशा मुक्त असम के लक्ष्य को गति देने का आग्रह किया और अपने नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा का जिक्र करते हुए पुलिस से इस सामाजिक अभियान में सक्रिय योगदान देने को कहा। पुलिस सेवा की चुनौतियों को स्वीकारते हुए आचार्य ने कर्मियों से कहा कि वे साहस, संवेदनशीलता, अनुशासन और ईमानदारी बनाए रखें। अपना साहस अपनी ताकत बनाइए, संवेदनशीलता अपनी पहचान बनाइए, तकनीक अपनी क्षमता बनाइए, अनुशासन अपनी नींव बनाइए, ईमानदारी अपनी प्रतिमा बनाइए और लोकसेवा अपना सर्वोच्च कर्तव्य बनाइए। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि असम पुलिस आधुनिक तकनीक, पेशेवर कौशल और लोगों-केंद्रित पुलिसिंग अपनाते हुए अपनी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखेगी और एक सुरक्षित, संरक्षित तथा प्रगतिशील असम के निर्माण में योगदान देती रहेगी। उन्होंने अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सुरेंद्र कुमार, गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट के कमिश्नर पार्थ सारथी महंता, आईजीपी कंकन ज्योति सैकिया, आईजीपी इंद्राणी बरुआ और आईजीपी रत्न सिंह को राष्ट्रपति पदक प्रदान किया।

2024 की हार से भाजपा ने लिया सबक, 2027 में टिकट के लिए नहीं चलेगी पैरवी?

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में लगे सियासी झटके के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब 2027 विधानसभा चुनाव के टिकट बंटवारे में कई स्तरों पर बदलाव की तैयारी में है। पार्टी के भीतर उम्मीदवार चयन को लेकर मंथन तेज है और फोकस ऐसे चेहरों पर है जिनकी जमीनी पकड़, संगठन में स्वीकार्यता और चुनाव जीतने की क्षमता मजबूत हो। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा विधायकों के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल को लेकर है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक पार्टी के अंदर बड़े पैमाने पर मौजूदा विधायकों के टिकट काटने पर चर्चा है। कुछ रिपोर्टों में करीब 50 फीसदी तक मौजूदा विधायकों के टिकट बदले जाने की संभावना जताई गई है। इस बार उम्मीदवार चयन में सिर्फ वरिष्ठता या पिछला चुनावी रिकॉर्ड निर्णायक नहीं होगा। पार्टी की कोशिश है कि संभावित उम्मीदवार के बारे में अलग-अलग स्तरों से फीडबैक लिया जाए।



पैरवी से ज्यादा सामूहिक सहमति पर जोर

यानी टिकट के दावेदार की जनता के बीच पकड़ कैसी है, संगठन के कार्यकताओं के साथ उसका तालमेल कैसा है और सीट पर उसकी चुनावी स्थिति क्या है, इन तमाम पहलुओं को देखा जाएगा। इसके अलावा सर्वे के जरिए भी उम्मीदवार की स्थिति को परखने की तैयारी है। पार्टी की मौजूदा रणनीति में जीताऊ उम्मीदवार को आधार माना जा रहा है। टिकट बंटवारे को लेकर भाजपा के भीतर एक और बदलाव की चर्चा है। पार्टी नहीं चाहती कि किसी एक बड़े नेता की पसंद का उम्मीदवार दूसरे नेताओं या संगठन पर थोपा जाए। उम्मीदवार चयन में दिल्ली और लखनऊ के शीर्ष नेतृत्व के बीच ज्यादा समन्वय बनाने पर जोर है। किसी सीट को लेकर दो बड़े नेताओं के बीच सहमति नहीं बनती है तो तीसरे वरिष्ठ नेता की राय लेकर फैसला करने की रणनीति पर चर्चा है और अगर इसके बाद भी सहमति नहीं बनती, तो दोनों पक्षों की पसंद के बजाय किसी तीसरे चेहरे को मौका देने का विकल्प रखा जा सकता है।

2024 में यूपी ने भाजपा को दिया था बड़ा झटका

2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश में बड़ा बदलाव लेकर आया था। 2019 में भाजपा ने यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से 62 सीटें जीती थीं। 2024 में उसका आंकड़ा घटकर 33 सीट रह गया। हालांकि एनडीए के सहयोगी दलों की सीटें जोड़ने पर एनडीए का आंकड़ा 36 रहा। वोट शेयर में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई। भाजपा का वोट शेयर 2019 के करीब 49.6 फीसदी से घटकर 2024 में करीब 41.4 फीसदी रह गया।

विपक्ष के नैरेटिव से लेकर संगठन तक पर मंथन

2024 के नतीजों के बाद भाजपा की तरफ से हार के कई कारण बताए गए। पार्टी ने विपक्ष के संविधान और आरक्षण से जुड़े नैरेटिव को भी चुनावी नुकसान का एक कारण बताया था, लेकिन संगठन के स्तर पर टिकट चयन, कार्यकताओं की नाराजगी, स्थानीय स्तर की एंटी-इंकंबेंसी और उम्मीदवारों की स्वीकार्यता जैसे मुद्दों पर भी समीक्षा हुई। यही वजह है कि 2027 में सिर्फ यह देखना पर्याप्त नहीं होगा कि मौजूदा विधायक कितनी बार चुनाव जीत चुका है।

हीरो कैप्टन स्मित मछार के लिए मंदिरों में महामृत्युंजय जाप

काशी से सोमनाथ तक विशेष पूजा



हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

कैप्टन स्मित मछार के जल्द स्वस्थ होने और दीर्घायु की कामना को लेकर वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ धाम और गुजरात के प्रसिद्ध श्री सोमनाथ मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। दोनों ज्योतिर्लिंगों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से कैप्टन स्मित के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। काशी विश्वनाथ धाम में कैप्टन स्मित मछार के स्वास्थ्य के लिए विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अनुष्ठान के बाद मंदिर परिसर स्थित घाट पर 21 शास्त्रियों द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। इसके साथ ही 11 शास्त्रियों द्वारा एक लाख महामृत्युंजय मंत्रों का जाप किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के जरिए भगवान शिव से कैप्टन स्मित के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। दुनिया में अपनी बहादुरी से भारत का मान बढ़ाने वाले कैप्टन स्मित मछार चर्चा में हैं। विश्व के कई ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों ने भी भारतीय पायलट की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें सलाम किया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए लोग प्रार्थना और पूजा-पाठ कर रहे हैं। इसी क्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर में आज 21 शास्त्रियों द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। इसके अलावा 11 शास्त्रियों द्वारा एक लाख महामृत्युंजय मंत्रों का जाप किया गया।

गंगा आरती में होगी विशेष पूजा-अर्चना

विश्वनाथ मंदिर परिसर स्थित शिवलिंग विग्रह के समक्ष यह अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। इस दौरान कैप्टन स्मित की तस्वीर भी रखी गई और भगवान विश्वनाथ से उनके जल्द स्वस्थ होने व दीर्घायु की कामना की गई। वहीं, आज शाम ललिता घाट पर होने वाली गंगा आरती में भी कैप्टन स्मित के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु के लिए विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान मां गंगा से भी कैप्टन के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की जाएगी।

सोमनाथ में महामृत्युंजय मंत्र जाप शुरू

गुजरात के श्री सोमनाथ मंदिर में भी कैप्टन स्मित मछार के लिए विशेष महापूजा का आयोजन किया गया। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट और स्थानीय श्रद्धालुओं की ओर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई। मंदिर में उनके पूर्ण स्वास्थ्य की प्रार्थना के लिए लगातार महामृत्युंजय मंत्र जाप का अनुष्ठान शुरू किए जाने की बात कही गई है। श्रद्धालुओं ने भगवान सोमनाथ से प्रार्थना की कि कैप्टन स्मित जल्द पूरी तरह स्वस्थ हों।

शॉर्ट स्टोरी

पटना की सड़कों तक पहुंचा महावीर और भद्र घाट का पानी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



बिहार की राजधानी पटना में गंगा का बढ़ता जलस्तर एक बार फिर लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसका असर पटना के निचले इलाकों और घाटों पर साफ दिखाई दे रहा है। कई घाट जलमग्न हो गए हैं, महावीर घाट और भद्र घाट के आसपास की सड़कों तक नदी का पानी पहुंच गया है। सड़क पर पानी आने से स्थानीय लोगों के साथ वहां से गुजरने वाले राहगीरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। नदी का पानी जैसे-जैसे आसपास के इलाकों में फैल रहा है, वैसे-वैसे निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की दिक्कतें भी बढ़ती जा रही हैं। लोगों की नजर अब गंगा के जलस्तर पर टिकी है, क्योंकि पानी बढ़ने का सीधा असर उनके घरों, रास्तों और रोजमर्रा के कामकाज पर पड़ रहा है। नदी के बढ़ते उफान को देखते हुए अब प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। सितंबर में गांधी घाट पर गंगा खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंच गई थी और घाटों के आसपास बैरिकेडिंग की गई थी, जिससे लोगों की आवाजाही रोकी जा सके और संभावित खतरे को टाला जा सके। इसके साथ ही प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में एसडीआरएफ की नावें और गोताखोर भी तैनात किए थे। इसी दौरान गंगा ने पटना में 2016 के पुराने बाढ़ स्तर का रिकॉर्ड भी पार किया था। गांधी घाट पर जलस्तर 50.57 मीटर तक पहुंचा था, जो 2016 के स्तर से 5 सेंटीमीटर ऊपर था। फिलहाल पटना सिटी में रहने वाले लोगों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि गंगा का स्तर और कितना ऊपर जाएगा। पानी से लबालब सड़कें इस बात का संकेत दे रही हैं कि अब शहरी इलाकों में भी बाढ़ से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ रहा है।

दो ट्रकों की टक्कर में एक की मौत, बाइक-स्कार्पियो भी चपेट में

हिंदमाता नेटवर्क @ मोतिहारी



मोतिहारी में रात के अंधेरे में दो तेज रफ्तार ट्रक आमने-सामने आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पास से गुजर रही बाइक और स्कॉर्पियो भी इसकी चपेट में आ गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने शव को सड़क के बीच रखकर एनएच-27 जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक हाईवे पर गाड़ियों की कतार लगी रही।घटना मोतिहारी के छतौनी थाना क्षेत्र की है। यहां चंडी माई स्थान के पास एनएच-28 पर दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव में जुट गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल बताए गए हैं। घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। इसके बाद लोगों का गुस्सा सड़क पर दिखाई दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक का शव सड़क के बीच रख दिया और एनएच जाम कर दिया। देखते ही देखते हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई।रात के समय हुए इस जाम का असर काफी दूर तक देखने को मिला। करीब तीन घंटे तक एनएच पर यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। वाहन चालक सड़क खुलने का इंतजार करते रहे। इधर, जाम की सूचना मिलते ही छतौनी और नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थिति को संभालने के लिए भारी पुलिस बल भी बुलाया गया। पुलिस लगातार लोगों को समझाने की कोशिश करती रही।

पत्नी की हत्या कर जलाई लाश, यमुना में फेंकीं हड्डियां, यूं खुला राज

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा में एक युवक पर अपनी पत्नी की हत्या कर शव को घर के पीछे बने बाड़े में जलाने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव की हड्डियां आगरा लाकर यमुना में फेंक दीं। इतना ही नहीं, वारदात पर पर्दा डालने के लिए आरोपी खुद थाने पहुंचा और पत्नी के लापता होने की शिकायत दर्ज करा दी। लेकिन मायके वालों की शिकायत और पुलिस की जांच के बाद शक गहराता गया और पूछताछ में पूरा मामला सामने आ गया।

2022 में हुई थी शादी, दो साल की बेटी

मामला अछनेरा थाना क्षेत्र के कुकथला गांव का है। यहां रहने वाले 32 वर्षीय लोकेन्द्र की शादी वर्ष 2022 में सिकंदरा क्षेत्र के अकबरा गांव की रहने वाली 30 वर्षीय चांदनी से हुई थी। दोनों की करीब दो साल की बेटी है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को घरेलू विवाद के बाद लोकेन्द्र ने कथित तौर पर चांदनी की हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर के पीछे बने बाड़े में टीनशेड के नीचे ले जाकर जला दिया। फिर यमुना में अस्थियां प्रवाहित कर दीं।

मायके वालों ने कही थी ये बात

इधर, चांदनी के भाई मनोज भी थाने पहुंच गए। उन्होंने बहन के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई और पति व ससुरालवालों पर आरोप लगाए। मायके वालों ने पुलिस को यह भी बताया कि लोकेन्द्र कथित तौर पर चांदनी के साथ अक्सर मारपीट करता था। परिजन लगातार पुलिस से चांदनी का पता लगाने की मांग कर रहे थे। बुधवार को पुलिस कुकथला गांव पहुंची और मामले की जांच शुरू की। चांदनी की करीब दो साल की बेटी एक दुकान के बाहर खेलती मिली। वहीं घर और आसपास की परिस्थितियां पुलिस को संदिग्ध लगीं।



शव जलाने के बाद हड्डियां यमुना में फेंकीं

आरोप है कि शव जलाने के बाद लोकेन्द्र ने सबूत मिटाने के लिए हड्डियां एकत्र कीं और उन्हें आगरा लाकर यमुना में फेंक दिया। इसके बाद उसने अपना मोबाइल बंद कर घर में रख दिया, जबकि पत्नी का मोबाइल सिकंदरा थाना क्षेत्र में फेंक दिया। वारदात को छिपाने के लिए आरोपी मंगलवार रात अछनेरा थाने पहुंचा और पत्नी के घर से लापता होने की शिकायत दर्ज करा दी।

सखी से पूछताछ में पति ने कबूली हत्या

पुलिस ने लोकेन्द्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बुधवार शाम करीब 7 बजे पुलिस ने उससे सखी से पूछताछ की तो पुलिस के मुताबिक उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि घरेलू विवाद के चलते उसने चांदनी की हत्या कर दी थी।

लिव-इन में रह रही महिला के साथ गैंगरेप

पड़ोसी बहला-फुसलाकर ले गया था जंगल



हिंदमाता नेटवर्क @ चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में लिव-इन में रह रही महिला के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। पति से विवाद के बाद पड़ोसी युवक महिला को बहला-फुसलाकर जंगल ले गया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

पड़ोसी ने रची साजिश

पूरा मामला जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव का है, जहां 30 सितंबर को लिव-इन में रह रही महिला के साथ तीन लोगों ने दुष्कर्म किया। पति का पहली पत्नी से विवाद सुलझाने के दौरान नाराज होकर बाहर निकली महिला को गांव के पड़ोसी छैला ने पति से मिलाने के बहाने बहलाया। वह महिला को रेलवे लाइन पार महुवा के पेड़ के पास ले गया, जहां पहले से मौजूद छुटकू और पुरुषोत्तम के साथ मिलकर तीनों ने बारी-बारी से वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा, दो की तलाश

घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर पति को आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस स्टेशन में तहरीर दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की और मुख्य आरोपी छैला को गिरफ्तार कर लिया। एसपी अरुण कुमार सिंह के अनुसार प्रारंभिक जांच में घटना सत्य पाई गई है। बाकी दो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगी हुई हैं और फॉरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल एकत्र किए हैं।

एक गिरफ्तार, दो फरार

बताया जा रहा है कि पति-पत्नी और रिलेशनशिप में रह रही 'वो' के बीच विवाद हुआ तो पड़ोसी युवक ने इसका फायदा उठाकर महिला को जंगल में ले जाकर गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया।

सोशल मीडिया कमेंट पर भिड़े सपा नेता

मीनाक्षी चौक पर जमकर चले लात-घूंसे, एफआईआर दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर के खालापार थाना क्षेत्र स्थित मीनाक्षी चौक पर सपा छात्र सभा महानगर अध्यक्ष नदीम मलिक और सपा कार्यकर्ता इसरार अल्वी के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ टिप्पणी करने से शुरू हुआ था। दोनों पक्षों के बीच सड़क पर जमकर मारपीट हुई, जिसका वीडियो किसी राहगीर ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी इसरार अल्वी को हिरासत में ले लिया है।



पुलिस ने दर्ज किया केस, 170 बीएनएस में हुई कार्यवाही

सड़क पर हुई इस गुटबाजी और मारपीट का संज्ञान लेते हुए खालापार थाना पुलिस ने तुरंत कार्यवाही की। मुजफ्फरनगर के एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए मारपीट का वीडियो पुलिस को प्राप्त हुआ था। पुलिस ने मीनाक्षी चौक पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम की और प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सपा जिलाध्यक्ष ने जताया दुख, जारी किया नोटिस

पार्टी के कार्यकताओं के बीच सार्वजनिक स्थान पर हुई इस मारपीट को लेकर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने गहरा दुख जताया है। जिया चौधरी ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और सोशल मीडिया पर टिप्पणी को लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने सपा कार्यकताओं से अनुशासन को सर्वोपरि रखने और सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अमर्यादित टिप्पणी से बचने का अनुरोध किया है। जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से दोनों नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है।

लापता होने के 2 दिन बाद खेत में मिला युवक का शव

हत्या का आरोप; कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन



हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

लापता होने के 2 दिन बाद मिली लाश, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर मुआवजे और जांच की मांग जौनपुर के शाहगंज तहसील में दीपक विश्वकर्मा (30) की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। 30 अगस्त की रात मुजक्कीपुर गांव से लापता हुए दीपक का शव 1 सितंबर की सुबह घर से करीब 700 मीटर दूर खेत में मिला था। अब परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। गुरुवार को परिजन और ग्रामीण कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने 50 लाख रुपए मुआवजा, परिवार के लिए आर्थिक सहायता, भूमि का पट्टा और सुरक्षा की मांग रखी। परिवार का कहना है कि वे बेहद गरीब हैं और दिहाड़ी मजदूरी से घर चलाते हैं।

रात में लापता हुआ, दो दिन बाद खेत में मिला शव

परिजनों के मुताबिक दीपक 30 अगस्त की रात करीब 2 बजे मुजक्कीपुर गांव से लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद भी पता नहीं चला तो खुटहन थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। 1 सितंबर की सुबह घर से करीब 700 मीटर दूर खेत में उसका शव मिला।

परिजनों को हत्या की आशंका, शव फेंकने का आरोप

शव मिलने के बाद परिवार ने आशंका जताई कि दीपक की हत्या कर शव खेत में फेंका गया है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

नोएडा में पेट्रोल भरवाने पहुंचे लोग, पहले हुआ पीयूसीसी चेक, कई नियम से अनजान

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा और गौतमबुद्धनगर में 1 अक्टूबर 2026 से बिना वैध पीयूसीसी वाले वाहनों को पेट्रोल और डीजल नहीं देने की व्यवस्था लागू हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से लागू किए गए इस नियम का असर पहले दिन पेट्रोल पंपों पर दिखाई दिया। पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंचे वाहनों के पीयूसी की वैधता जांची गई। हालांकि, नियम लागू होने के पहले दिन भी कई वाहन चालकों को इसकी पूरी जानकारी नहीं थी। आजतक की टीम ने गुरुवार को नोएडा के अलग-अलग पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर इस नई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पेट्रोल पंपों पर कर्मचारियों को मोबाइल ऐप के जरिए वाहनों के पीयूसी की वैधता जांचते हुए देखा गया। कुछ वाहन चालकों ने बताया कि पेट्रोल या डीजल भरवाने से पहले उनका पीयूसीसी चेक किया गया। वहीं, कुछ लोगों को यह जानकारी ही नहीं थी कि अब पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने से पहले पीयूसी की जांच की जा रही है। पेट्रोल पंपों पर कर्मचारियों को वाहनों के पीयूसी की वैधता जांचने के लिए मोबाइल ऐप के इस्तेमाल की व्यवस्था दी गई है। आजतक की टीम ने एक पेट्रोल पंप कर्मचारी को मोबाइल ऐप में बाइक



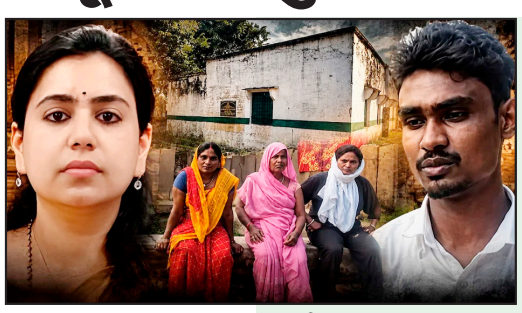
का नंबर डालकर उसका पीयूसी चेक करते हुए देखा। यानी अब पेट्रोल पंप पर केवल वाहन में पेट्रोल या डीजल भरने की प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि उससे पहले वाहन के प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता भी देखी जा रही है। पहले दिन इस व्यवस्था को लागू करने के दौरान पेट्रोल पंप कर्मचारियों के स्तर पर जांच की प्रक्रिया शुरू दिखाई दी। हालांकि, ऐप के स्तर पर भी परेशानी सामने आई।

हिंदमाता एंकरः लहुरियादह में स्कूल की जमीन की नापी ऐसे समय हुई है, जब दिव्या मित्तल ने राजनीति में आने का ऐलान किया है

दिव्या मित्तल ने गांव के स्कूल का मुद्दा उठाया, तो गांव में जमीन नापने पहुंची टीम

हिंदमाता संवाददाता @ मिर्जापुर

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर का लहुरियादह गांव इन दिनों एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह गांव में स्कूल है और उसके साथ जुड़ा पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का नाम। आईएएस की नौकरी से इस्तीफा देकर राजनीति में आने का ऐलान कर चुकीं दिव्या मित्तल ने अपने वीडियो में अपने डीएम कार्यकाल के दौरान लहुरियादह गांव के लिए स्कूल दिए जाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि बाद में वह स्कूल नहीं बन पाया। दिव्या मित्तल का वीडियो सामने आने के अगले ही दिन गांव में स्कूल के लिए जमीन की नाप-जोख शुरू हो गई। गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय लहुरियादह के उच्चीकरण की प्रक्रिया के तहत स्कूल के लिए जमीन नापी गई। जिस स्कूल को लेकर दिव्या मित्तल ने अपने वीडियो में बात की थी, अब उसी स्कूल को लेकर गांव में निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। लहुरियादह में स्कूल की जमीन की नापी ऐसे समय हुई है, जब दिव्या मित्तल ने राजनीति में आने का ऐलान किया है। इसी वजह से गांव का यह स्कूल अब स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक प्रक्रिया, दोनों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। दिव्या मित्तल ने राजनीति में आने का ऐलान करते हुए जारी वीडियो में अपने मिर्जापुर के डीएम कार्यकाल का जिक्र किया।



23 अगस्त को खाते में पहुंची 25.58 लाख की रकम

जिला अधिकारी के मुताबिक, विद्यालय के लिए आवंटित 25.58 लाख रुपए 23 अगस्त 2026 को विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। प्रशासन का कहना है कि पैसा मिलने के बाद विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से निर्माण कार्य शुरू कराया जा रहा है। इसी क्रम में अब स्कूल के लिए जमीन की नाप-जोख का काम किया गया है। यानी एक तरफ दिव्या मित्तल अपने वीडियो में यह सवाल उठा रही हैं कि उनके कार्यकाल में दिए गए स्कूल का निर्माण बाद में नहीं हुआ। दूसरी तरफ प्रशासन की ओर से बताया जा रहा है कि स्कूल के उच्चीकरण का प्रस्ताव 2024-25 में भेजा गया था, जिसे 2025-26 में स्वीकृति मिली और इसके बाद 25.58 लाख रुपए की राशि जारी की गई। लहुरियादह के स्थानीय निवासी अनिल कुमार ने बताया कि गांव के लोगों ने दिव्या मित्तल से 10वीं तक का स्कूल मांगा था।

स्कूल और राजनीति, दोनों पर टिकी गांव की नजर

लहुरियादह में अब स्कूल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के साथ गांव के लोगों की नजर इस पर है कि स्कूल का काम किस तरह आगे बढ़ता है। एक दिन पहले दिव्या मित्तल के वीडियो में स्कूल का मुद्दा उठा और अगले दिन स्कूल के लिए जमीन की नाप-जोख शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि प्राथमिक विद्यालय लहुरियादह के उच्चीकरण के लिए प्रस्ताव वर्ष 2024-25 में भेजा गया था। इसकी स्वीकृति वर्ष 2025-26 में राज्य परियोजना निदेशक की ओर से दी गई और 25.58 लाख रुपये आवंटित किए गए। प्रशासन के मुताबिक, स्कूल निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है और 23 अगस्त 2026 को विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में राशि भी हस्तांतरित की जा चुकी है। इसके बाद समिति की ओर से निर्माण कार्य शुरू कराया जा रहा है। वहीं, ग्रामीणों के बयान में दिव्या मित्तल के साथ उनके जुड़ाव और उनके काम को लेकर समर्थन दिखाई देता है। अनिल कुमार और शीला दोनों ने कहा कि गांव के लोग चाहते हैं कि दिव्या मित्तल राजनीति में आएं और वे उनका समर्थन करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम में लहुरियादह का स्कूल एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है।

अनंत सिंह के तेवर से गरमाई बिहार की सियासत, जेडीयू में खींचतान

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की सियासत में इन दिनों एनडीए में ही सियासी घमासान मचा हुआ है। जेडीयू अपने विधायक अनंत सिंह के कारनामे से परेशान है। जेडीयू और भाजपा में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तो दूसरी तरफ भाजपा भी चिराग पासवान के बगावती तेवर को लेकर परेशान है। बिहार में 8 सीटों पर एमएलसी का चुनाव हो रहा है, लेकिन एक सीट पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र जेडीयू के लिए गले की फांस बन गया है। इस सीट से चुनाव जीतते रहे हैं नीतीश कुमार के करीबी मोकामा निवासी नीरज कुमार। इस बार भी नीरज कुमार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन उनकी राह के सबसे बड़े रोड़ा बन गए हैं उनकी ही पार्टी और उनके ही क्षेत्र मोकामा के विधायक अनंत सिंह। चुनाव का ऐलान और उम्मीदवारी घोषित होने के पहले ही अनंत सिंह ने इस सीट से अपना उम्मीदवार अनुज सिंह को घोषित कर दिया था और उनको लेकर क्षेत्र में चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया। 20 करोड़ की बाजी भी लग गई। अनुज सिंह को प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने अपना उम्मीदवार बनाया। बावजूद इसके अनंत सिंह जन सुराज के उम्मीदवार के साथ ही खड़े हैं और कह रहे हैं कि यह मेरा उम्मीदवार है। यहां तक कि पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक और तमाम मान-मनौव्वल के बावजूद अनंत सिंह आज जनसुराज उम्मीदवार अनुज सिंह के नामांकन में पूरे तामझाम के साथ पहुंच गए। घर पर 50 हजार रसगुल्ले बनवा दिए और अनुज सिंह के साथ खुली जीप में सवार होकर रोड शो कर अपनी ही पार्टी को खुली चुनौती दे दी। इधर, यह मामला पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के दरबार में पहुंच गया है। नीतीश आवास में आनन-फानन में बैठक बुलाई गई।

174 यात्रियों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मित मछार को नेतन्याहू और ट्रंप ने बताया 'हीरो'

दुनियाभर में हो रही है तारीफ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने दुबई से तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई के विमान में 174 यात्रियों की जान बचा ली। स्मित मच्छार की हर तरफ तारीफ हो रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें सच्चा हीरो बताया है। चाकू के वार से बुरी तरह घायल होने के बाद भी कैप्टन स्मित ने विमान में बहादुरी के साथ हमलावर को-पायलट का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलकर क्रू के अंदर आने का रास्ता साफ किया। इसके बाद क्रू ने हमलावर को काबू में किया। प्लेन में सवार दो पायलटों ने किसी तरह प्लेन को संभाला और उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करवाई। आपको बता दें कि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि को-पायलट ने विमान क्रैश करने की कोशिश की थी।



कैसे बची लोगों की जान?

कॉकपिट की आवाज प्लेन में आगे बैठे पैसेंजर्स ने सुनी तो हंगामा मच गया। पैसेंजर्स पैनिक हो गए, लोगों ने कॉकपिट का दरवाजा तोड़ा। गनीमत ये रही कि इस प्लेन में कुछ पायलट्स सफर कर रहे थे, जो अपनी बिजनेस ट्रिप पर जा रहे थे। इनमें से दो पायलट्स ने प्लेन को संभाला और सबसे नजदीकी एयरबेस को इंफॉर्म किया। प्लेन को सेफली लैंड कराया गया, तब जाकर लोगों की जान में जान आई। कैप्टन स्मित मच्छार घायल हैं और सऊदी के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

क्या है पूरा मामला?

174 यात्रियों को ले जा रही फ्लाइट एफजेड-1073 ने उड़ान भरने के कुछ ही घंटे बाद पहले 'स्क्वॉक कोड 7700' भेजा, जो नॉर्मल इमरजेंसी का सिग्नल है, लेकिन थोड़ी देर बाद ही फ्लाइट कोड 7500 पर स्विच हो गया। इस कोड का मतलब होता है हाईजैकिंग। इस सिग्नल कोड के मिलते ही इजरायल में हड़कंप मच गया। नेतन्याहू ने इमरजेंसी मीटिंग बुला ली। सिचुएशन से निपटने के लिए इजरायल से 8 फाइटर जेट्स ने उड़ान भर दी। प्लेन के अंदर बैठा को-पायलट ओमान का रहने वाला था। उसने कैप्टन स्मित मच्छार को कॉकपिट में ही चाकू मार दिया। इससे सिचुएशन आउट ऑफ कंट्रोल हो गई। जानकारी के अनुसार, ओमानी पायलट प्लेन को क्रैश कराना चाहता था। हालांकि, कैप्टन स्मित ने उसे ऐसा करने से रोक दिया।

पायलट हीरो था- डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कैप्टन स्मित की बहादुरी की तारीफ की है। उन्होंने पायलट को हीरो करार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। इस बातचीत में नेतन्याहू ने ट्रंप को बताया कि कैसे कैप्टन स्मित ने घायल होने के बावजूद कॉकपिट का दरवाजा खोला। इसके बाद ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि "पायलट ने खराब हालत के बावजूद समझदारी दिखाई, एक तरह से वह हीरो था कि उसने दरवाजा खोल दिया।"

यूएई में इजराइल के राजदूत ने कहा-

हमलावर ओमानी नागरिक, मोटिव साफ नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव



फ्लाईदुबई की फ्लाइट में पायलट पर हमला होने के बाद यूएई में इजराइल के राजदूत ने बताया कि इस मामले में को-पायलट संदिग्ध ओमानी नागरिक है। उन्होंने कहा कि फिलहाल घटना के पीछे की मंशा यानी मोटिव साफ नहीं है और अभी किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इजराइली खुफिया एजेंसियां भी मामले की जांच कर रही हैं और इस संबंध में दूसरी एजेंसियों के संपर्क में हैं। इजराइली राजदूत ने रॉयटर्स से बातचीत में कहा कि फ्लाईदुबई घटना के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यूएई के राष्ट्रपति से भी बातचीत की थी। हालांकि, अभी तक घटना के पीछे की वजह को लेकर कोई नतीजा सामने नहीं आया है। जांच एजेंसियां हमले से जुड़े तमाम पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। संदिग्ध की पहचान और घटना की परिस्थितियों की जांच के साथ यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर कॉकपिट में हमला किस हालात में हुआ। आपको बता दें कि बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 में उस वक्त हड़कंप मच गया था, जब कॉकपिट के अंदर ही पायलट पर चाकू से हमला कर दिया गया। विमान में भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार ड्यूटी पर थे। बताया गया कि उनके को-पायलट ने उन पर चाकू से हमला किया, जिसके बाद हालात बेहद गंभीर हो गए। हमले के दौरान विमान अचानक हजारों फीट नीचे जाने लगा। इस घटना ने विमान में सवार यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति पैदा कर दी थी। हमले में कैप्टन स्मित मछार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने हमलावर का मुकाबला किया और वह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। इसके बाद यात्रियों और क्रू के सदस्यों को हमलावर पर काबू पाने का मौका मिला। इस दौरान विमान को संभालने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश की गई। घटना के बावजूद विमान में सवार सभी 174 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। विमान को सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया।

बिजनेस वर्ल्ड

भारत यूके संबंधों में मजबूती के साथ इंडो-यूके लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में उत्कृष्टता का उत्सव

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



एशिया टुडे मीडिया द्वारा 28 सितंबर को लंदन में यूके संसद के 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' में 'इंडो-यूके लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के जाने-माने नेताओं और भारत के सफल डॉक्टरों, शिक्षाविदों, उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाया गया।इस आयोजन में भारत तथा यूनाइटेड किंगडम के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया गया। यह बातचीत मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्रों पर केंद्रित थी।इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वालों में लॉर्ड ब्रेनन के.सी (सदस्य, हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके संसद, लंदन), लॉर्ड रामी रेंजर (सदस्य, हाउस ऑफ लॉर्ड्स), गगन मोहिंद्रा (सदस्य, हाउस ऑफ कॉमन्स, लंदन), काउंसलर तुषार कुमार (मेयर, एल्स्ट्री और बोरेहमवुड) और सुनील चोपड़ा (पूर्व मेयर, साउथवार्क, लंदन) शामिल थे।वहीं डॉ. निशांत आत्माराम सावंत - "ग्लोबल साइबरसिक्योरिटी विजनरी ऑफ द ईयर - 2026"; एक्सेलिगाइज - "द ब्रिटिश स्टैंडर्ड ऑफ एक्सीलेंस इन ग्लोबल मार्केटिंग"; एन डी सी इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग - "मोस्ट प्रॉमिसिंग इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग ऑफ द ईयर - इंडिया"; पुष्पावल्ली वंगावीती (चीफ ऑफ एकेडमिक्स- कंसल्टेंट्स) - "ग्लोबल पायनियर अवार्ड फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम्स एंड न्यूरो-एजुकेशन"; शुभम गुप्ता (संस्थापक - जॉब ब्रिज कंसल्टेंसी लिमिटेड) - "द मास्टर करियर मेंटर अवार्ड"; हेब्बेवु फार्म्स - "मोस्ट प्रॉमिसिंग डेयरी फार्मर ऑफ द ईयर - इंडिया"; डॉ. दुग्गाराजू लक्ष्मी ज्योति - "सोरायसिस डमेर्टाइटिस आर्थराइटिस अचीवमेंट अवार्ड"; डॉ. राजेश वुन्नुमटला - "बेस्ट सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एंड एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जन ऑफ द ईयर - इंडिया"; डॉ. दुग्गाराजू कार्तिका - "बेस्ट इनफर्टिलिटी एंड गायनेकोलॉजी अवार्ड"; रेमो इंटरनेशनल कॉलेज - "मोस्ट ट्रस्टेड एविएशन कॉलेज विद एक्सीलेंट प्लेसमेंट इन इंडिया"; प्रोफेसर पुष्पेंद्र कुमार - आर्यम इंटरनेशनल फाउंडेशन - "एक्सीलेंस इन स्पिरिचुअल फाउंडेशन - इंडिया"; डॉ. डी. मणिकंदन - "इंटरनेशनल यूथ डिप्लोमेसी स्पीकर"; पंडित भास्कर नाथ - "क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटलिस्ट ऑफ द ईयर से सम्मानित हुए।

डोरडैश ने हैदराबाद में खोला भारत का पहला कार्यालय

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



दुनिया के लीडिंग लोकल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से एक डोरडैश ने हैदराबाद में अपने टैलेंट हब की शुरूआत की है। यह कदम तेलंगाना के प्रतिभा और इनोवेशन इकोसिस्टम के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी शुरूआत में 500 प्रोफेशनल्स के साथ ऑपरेशंस शुरू कर रही है और अगले दो वर्षों में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर 3,000 से अधिक करने की योजना बना रही है।इस सुविधा का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी मामलों के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू ने किया। इस अवसर पर डोरडैश के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर रवि इनुकोंडा, डोरडैश में सीनियर डायरेक्टर, वर्कफोर्स स्ट्रैटेजी एंड टैलेंट एक्विजिशन ऑपरेशंस जेना कोन्के और तेलंगाना सरकार के आईटी सलाहकार श्री साई कृष्णा भी उपस्थित रहे।हाइटेक सिटी स्थित हैदराबाद हब में शुरूआत में कस्टमर एक्सपीरियंस एंड इंटीग्रिटी (सीएक्सआई) और जी एंड ए टीमें काम करेंगी। इसका सीएक्सआई ऑपरेशन टेम्पे, एरिजोना और मेक्सिको सिटी के बाद वैश्विक स्तर पर डोरडैश का तीसरा इन-हाउस सीएक्सआई सर्विस सेंटर होगा। यह हब डोरडैश के ग्लोबल प्लेटफार्म को सहयोग देगा और कंपनी के विभिन्न मार्केट्स में कंज्यूमर्स, मर्चेंट्स और डैशर्स के लिए भरोसेमंद अनुभव प्रदान करने में मदद करेगा।हैदराबाद की टीम डोरडैश के उस वैश्विक प्लेटफॉर्म को सपोर्ट करेगी, जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में 5.6 करोड़ से अधिक मंथली ऐक्टिव यूजर्स को सेवाएं देता है। इन क्षेत्रों की संयुक्त आबादी एक अरब से अधिक है।अमेजन, वॉलमार्ट और उबर के बाद इसे हैदराबाद के हाइपरलोकल डिजिटल कॉमर्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है। डोरडैश दुनिया की शीर्ष तीन कंपनियों में शामिल है और अमेरिका में 65% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर-1 स्थान पर है।

मौत के 2 इंजेक्शन देने के बाद भी महिला बची

धड़कन चल रही थी, नींद में खर्राटे लेती रही, मौत की सजा टली

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन



अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली एक महिला कैदी को बुधवार को मौत के 2 इंजेक्शन दिए गए, लेकिन इसके बाद भी उसकी जान नहीं गई। उसकी धड़कन चलती रही और वह नींद में खर्राटे ले रही थी। मामला अमेरिका के टेनेसी राज्य का है। क्रिस्टा गेल पाइक नाम की महिला 1995 में हत्या के मामले में दोषी करार दी गई थी। उसे एक साल बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि अब उसकी सजा टाल दी गई है।

मौत का इंजेक्शन देने के दौरान क्या हुआ

रात 7:27 बजे : पाइक स्ट्रेचर पर बंधी हुई थी और होश में थी। उन्हें पहला इंजेक्शन दिया गया। रात 8:26 बजे : पाइक को पेंटोबार्बिटल का दूसरा इंजेक्शन दिया गया। इस दौरान वह नींद में थी। रात 8:53 बजे : पाइक का माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, गवाहों को बाहर जाने के लिए कहा गया। देर रात : पाइक के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में इमरजेंसी याचिका दायर कर प्रक्रिया तुरंत रोकने की मांग की।

शरीर में जहर जाने के बाद जान बचने का यह पहला मामला

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले अमेरिका में अब तक सिर्फ 7 ऐसे मामले आए थे, जिनमें मौत का इंजेक्शन देने के बाद भी दोषी की जान बच गई थी। इन लोगों को नस में घातक इंजेक्शन देने में दिक्कत हुई। मेडिकल टीम की इस गड़बड़ी के कारण उनकी मौत नहीं हो सकी। इस बार मामला अलग था। जहर शरीर में पहुंचने के बाद किसी व्यक्ति के जिंदा रहने का यह पहला मामला है। राज्य के नियमों के मुताबिक, पहले इंजेक्शन के बाद अगर कैदी की मौत नहीं होती तो दूसरा इंजेक्शन दिया जाता है। लेकिन दूसरे इंजेक्शन के बाद भी व्यक्ति जिंदा रहे तो क्या करना है, इसके बारे में नियमों में साफ जानकारी नहीं है।

1995 में 19 साल की सहपाठी की हत्या की थी

क्रिस्टा पाइक को 1995 में अपनी 19 साल की सहपाठी कोलीन स्लेमर की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। जनवरी 1995 में पाइक, उनके उस समय के बॉयफ्रेंड तादारिल शिप और एक दोस्त ने स्लेमर को टेनेसी यूनिवर्सिटी के कैंपस के पास जंगल में बुलाया था। अदालत में सामने आया कि वहां तीनों ने स्लेमर की पिटाई की और धारदार चीज से हमला किया। अपराध के समय पाइक 18 साल की थीं। वहीं, उनके बॉयफ्रेंड शिप की उम्र 17 साल थी। शिप ने बाद में मामले में गवाही दी। नाबालिग होने के कारण उसे मौत की सजा नहीं दी गई और उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

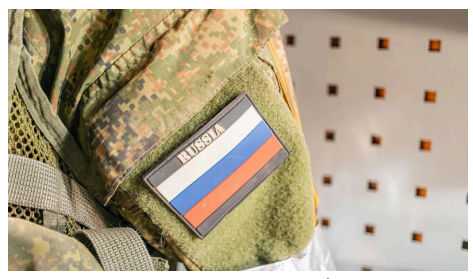
टेनेसी में 200 साल बाद पहली बार महिला को मौत की सजा

पाइक अमेरिकी राज्य टेनेसी की मौत की सजा पाने वाली अकेली महिला कैदी थीं। अगर बुधवार की प्रक्रिया पूरी हो जाती तो 200 साल से ज्यादा समय में टेनेसी में मौत की सजा पाने वाली वह पहली महिला होती। जेल में रहने के दौरान पाइक ने अपने अपराध पर पछतावा जताया था। उनका मानसिक बीमारियों का इलाज भी हुआ था। उनके वकीलों का कहना था कि बचपन में उनके साथ हुई कुछ बुरी घटनाओं और मानसिक परेशानियों का उनके व्यवहार पर असर पड़ा था। वहीं, पीड़ित कोलीन स्लेमर के परिवार ने पाइक को मौत की सजा दिए जाने का समर्थन किया था। स्लेमर की मां ने कहा था कि पाइक उनकी बेटी को वापस नहीं ला सकतीं, इसलिए उन्हें अपने किए की सजा मिलनी चाहिए। टेनेसी अमेरिका के उन राज्यों में है, जहां हाल के सालों में मौत की सजा लागू की गई है। अगस्त में टेनेसी, अलबामा और ओक्लाहोमा में एक ही दिन तीन लोगों को मौत की सजा दी गई थी। अमेरिका में 10 साल से ज्यादा समय बाद पहली बार एक ही दिन तीन लोगों को मौत की सजा दी गई थी।

रूसी सेना में भर्ती पर सरकार की सख्त चेतावनी: यह जानलेवा और खतरनाक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रूसी सशस्त्र बलों में भारतीय नागरिकों की भर्ती की लगातार आ रही खबरों के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर बेहद सख्त चेतावनी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने एक ताजा एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में शामिल होने के प्रति आगाह किया है और इसे एक जानलेवा और खतरनाक रास्ता करार दिया है। विदेश मंत्रालय द्वारा 30 सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार, पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार ने कई अवसरों पर इस तरह के कदम में निहित गंभीर जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है। सरकार ने समय-समय पर भारतीय नागरिकों को विदेशों में रोजगार के अवसर तलाशते समय अत्यधिक सावधानी बरतने और अप्रमाणित एजेंटों या गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा दिए जाने वाले किसी भी नौकरी के प्रस्ताव के झांसे में न आने की सख्त सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा, हमारे सामने ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें लोग अपनी मर्जी से रूसी सेना में शामिल होने के ऑफर ढूंढते हैं, यह सोचकर कि उन्हें इससे आर्थिक लाभ होगा और बाद में वे भारत सरकार से संपर्क करके वहां से निकल सकेंगे। हम फिर से कहते हैं कि यह एक खतरनाक रास्ता है और सरकार इसकी कड़ी मनाही करती है। बयान में कहा गया है, ऐसे कई मामले भी सामने आए हैं, जिनमें लोगों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ने, रूसी पासपोर्ट लेने और फिर रूसी सेना में भर्ती होने के लिए भारतीय अधिकारियों से संपर्क किया है। कुछ लोगों ने तो भारतीय अधिकारियों से सलाह लिए बिना ही ऐसा कर लिया है, क्योंकि वे थोड़े समय के पैसे के फायदे के लालच में आ गए थे। सलाह दी जाती है कि लोग ऐसे कामों की गंभीरता को समझें और उन जानलेवा खतरों को भी समझें, जिनमें वे खुद को डाल रहे हैं। सरकार भारतीय नागरिकों को सलाह देती है कि वे ऐसे काम न करें। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार रूसी सेना में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, भलाई और उन्हें जल्द से जल्द वहां से वापस लाने के लिए रूसी पक्ष के साथ लगातार संपर्क में है।



जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चर्चित बिजनेसमैन समेत 6 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ हरारे

जिम्बाब्वे के मरोनडेरा इलाके में बुधवार शाम एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई। मरने वालों में जिम्बाब्वे के चर्चित बिजनेसमैन विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। 43 साल के चिवायो को जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा का करीबी माना जाता था। हादसे में मारे गए बाकी लोगों की पहचान सामने नहीं आई है। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी भी जानकारी नहीं है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इसकी जांच करेंगे।



जिम्बाब्वे के चर्चित कारोबारी थे चिवायो

विकनेल चिवायो जिम्बाब्वे के चर्चित कारोबारी थे। वे इंट्राट्रेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। कंपनी ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती है। चिवायो कई बड़े नेताओं से मुलाकात के लिए भी चर्चा में रहे। वे दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो, तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन और इस्वातिनी के किंग मस्वाती तृतीय से मिल चुके थे।

चिवायो की कंपनी को जिम्बाब्वे में कई सरकारी प्रोजेक्ट मिले थे। इनमें ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट प्रमुख था। यह करीब 100 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काम में देरी और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े विवाद हुए। कंपनी और सरकार के बीच मामला अदालत तक भी पहुंचा।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान ने फिर बरसाए बम

सामने आया हमले में मरने वालों का आंकड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ काबुल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बीच अफगान सरकार ने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक में 9 लोगों की मौत का दावा किया है। अफगान सरकार के मुताबिक, पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों में 11 लोग घायल भी हुए हैं। ये हमले गुरुवार को अफगानिस्तान के अलग-अलग इलाकों में किए गए। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

3 घरों को बनाया गया निशाना

अफगान सरकार के मुताबिक, एयरस्ट्राइक में कुनार और हेलमंद प्रांतों के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया। इस दौरान 3 घर पूरी तरह तबाह होने का दावा किया गया है। जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि मारे गए 9 लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने हमलों में नागरिकों के मारे जाने पर गंभीर चिंता जताई और पाकिस्तान की कार्यवाही की कड़ी निंदा की।



अफगान प्रवक्ता ने क्या कहा?

जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, 'हम इस कार्यवाही की निंदा करते हैं। यह आक्रामकता है और सभी मान्य सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाला अपराध है।'

अफगान सरकार ने इन हमलों को अपनी संप्रभु सीमा में की गई सैन्य कार्यवाही बताया है। उसका कहना है कि पाकिस्तान की ओर से ऐसी कार्यवाही का सिलसिला दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के साथ जारी रहा है।

1100 से ज्यादा नागरिक प्रभावित

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के मुताबिक, इस साल अब तक सीमा पार हुई हिंसा में 1,100 से ज्यादा नागरिक हताहत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने पिछले सप्ताह इन आंकड़ों की जानकारी दी थी। अफगान सरकार का कहना है कि सीमा पार सैन्य कार्यवाही का सबसे गंभीर असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान ने बॉर्डर पर एक और हमला किया था और कई तालिबान लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया था। पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर आरोप लगाता रहा है कि वहां से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी जैसे गुटों को काम करने की जगह मिल रही है।

एफएसएसएआई का बड़ा एक्शन, खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पर दो कंपनियों के लाइसेंस निलंबित

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी उल्लंघनों के चलते टीसीएफ चॉकलेट्स एंड गिफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और शिवम एग्रो के फूड बिजनेस लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। नियामक ने दोनों कंपनियों को निलंबन अवधि के दौरान सभी खाद्य व्यवसाय गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया है। एफएसएसएआई के अनुसार, टीसीएफ चॉकलेट्स एंड गिफ्ट्स के खिलाफ कार्यवाही एक उपभोक्ता शिकायत के बाद की गई, जो एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑर्डर किए गए खाद्य उत्पाद से संबंधित थी। शिकायत के बाद की गई जांच में अधिकारियों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अत्यंत खराब स्वच्छता और साफ-सफाई की स्थिति मिली। निरीक्षण के दौरान कीटों का संक्रमण, बिल्ली का मल और खुले नाले जैसी गंभीर कमियां सामने आईं। जांच में यह भी पाया गया कि परिसर में एक्सपायर्ड फूड कलर और फ्लेवर मौजूद थे। इसके अलावा सफाई में उपयोग होने वाले रसायनों को खाद्य सामग्री और कच्चे माल के बेहद करीब रखा गया था, जिससे खाद्य पदार्थों के दूषित होने का खतरा बढ़ गया था। खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता संबंधी नियमों का पर्याप्त पालन नहीं किया जा रहा था और व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों में भी कई खामियां पाई गईं।

97 का लेवल टूटा तो 99 पर जाएगा रुपया, विदेशी निवेशकों ने बढ़ा दी टेंशन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



भारतीय अर्थव्यवस्था वैसे तो मजबूत स्थिति में है, लेकिन ग्लोबल मार्केट के हालात घरेलू मुद्रा के लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार कमजोरी देखने को मिल रही है। अब कोटक सिक्योरिटीज ने एक ऐसा अनुमान जताया है जिसने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। कोटक सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी के मुताबिक, रुपया जल्द ही डॉलर के सामने 97 के स्तर तक आ सकता है। अगर एक बार 97 का लेवल टूटा, तो गिरावट और गहरी होगी। इसके बाद रुपया 98.5 से लेकर 99 तक के स्तर पर जा सकता है। फिलहाल रुपया आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.442 पर आ चुका है। इस गिरावट के पीछे कई अहम कारण काम कर रहे हैं। रुपये पर सबसे बड़ा दबाव विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का है। इस महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो विदेशी निवेशक अब तक करीब 6.1 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेच चुके हैं। बनर्जी बताते हैं कि पिछले दो महीनों में विदेशी निवेशकों ने जितना पैसा भारतीय बाजार में लगाया था, उसका लगभग 90 फीसदी हिस्सा अब वापस निकाला जा चुका है। हाल ही में एफसीएनआर (बी) के जरिए भी देश में पैसा आया है, लेकिन इसका फायदा सीधे तौर पर रुपये को नहीं मिला। ये पैसा बाजार में जाने के बजाय सीधे आरबीआई के फॉरेक्स रिजर्व में चला गया है।रुपये की सेहत बिगड़ने का दूसरा बड़ा कारण कच्चा तेल है। इसे केवल ब्रेंट क्रूड के भाव से नहीं आंका जाना चाहिए। असल में स्पॉट क्रूड, फ्रेट चार्जेज के साथ रिफाइंड प्रोडक्ट्स की कीमतें भी काफी अहम होती हैं। इस समय दुनिया भर की रिफाइनरियों में दिक्कतें चल रही हैं।

त्योहारी सीजन की शुरूआत में ही जोर का झटका, 62.50 रुपए महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



त्योहारी सीजन की शुरूआत से ठीक पहले आम आदमी और कारोबारियों को महंगाई का बड़ा झटका लगा है। महीने की पहली ही तारीख यानी 1 अक्टूबर को तेल विपणन कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा कर दिया है। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 62.50 रुपये बढ़ गए हैं। दिल्ली में अब इसकी कीमत बढ़कर 2,810 रुपये हो गई है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, कैटरिंग और छोटे कारोबारों की लागत पर पड़ सकता है। कारोबारियों के लिए एलपीजी खर्च बढ़ने का असर आगे चलकर खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। राहत की बात यह है कि 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में यह 942 रुपये, मुंबई में 941.50 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये में ही मिलेगा। पटना में 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर का रेट 1,031.50 रुपये और लखनऊ में 979.50 रुपये है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये का है। हैदराबाद में घरेलू सिलेंडर 994 रुपये, जबकि रांची में 1,010.50 रुपये है। आज यानी 1 अक्टूबर से सब्सिडी पाने वाले एलपीजी ग्राहकों के लिए आधार बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा। जिन ग्राहकों ने ई-केवाईसी या जरूरी बायोमेट्रिक प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है, उन्हें सरकारी सब्सिडी मिलने में दिक्कत हो सकती है।

हिंदमाता एंकर नोबेल समिति -क्या इस बार इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल को यह पुरस्कार दिया जा सकता है?

डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी नहीं मिलेगा शांति का नोबेल, जानिए कहां फंसा पेच?

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा। इसकी बड़ी वजह अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध छेड़ना है। इस युद्ध के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं नोबेल कमेटी इस बार ऐसे शख्स को शांति पुरस्कार देने की तैयारी में है, जो ट्रंप का धुर-विरोधी हो। 2025 में वेनेजुएला का मचाडो को शांति का नोबेल दिया गया था। पुरस्कार लेने का बाद मचाडो ने इसे ट्रंप को सौंप दिया, जिसके कारण नोबेल कमेटी की भद पिटी थी। ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से कहा कि नोबेल समिति यह विचार कर रही है कि क्या इस बार इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल को यह पुरस्कार दिया जा सकता है? इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही वाशिंगटन ने कोर्ट के फंड पर भी रोक लगा दी है।

नोबेल शांति पुरस्कार: रेस में कौन-कौन?

9 अक्टूबर को नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा प्रस्तावित है। इसके लिए नोबेल समिति के भीतर लगातार मंथन का दौर चल रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इस बार नोबेल शांति पुरस्कार की रेस में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा पोप लियो, इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल, फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर यूएन के विशेष प्रतिवेदक और फ्रांसेस्का अल्बनीज सबसे आगे हैं। 2025 में कंबोडिया, इजराइल और पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था। 2025 में आखिरी वक्त तक ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की उम्मीद थी, लेकिन यह मचाडो को दे दिया गया।



एक्सपर्ट बोले- ट्रंप के इर्द-गिर्द ही फैसला

ओस्लो के शांति अनुसंधान संस्थान के कार्यवाहक निदेशक हाकॉन गेर्लो का कहना है कि समिति ऐसे व्यक्ति का चयन करने में सावधानी बरतेगी, जो पुरस्कार मिलने के बाद ट्रंप के दबाव का सामना कर सके। हाकॉन का कहना है कि ट्रंप को इस बार नोबेल पुरस्कार नहीं मिल रहा है। ऐसे में जिसे मिलेगा, उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति जरूर दबाव डालेंगे। पिछली बार हमने यह देखा है। एक्सपर्ट का मानना है कि इस बार का नोबेल पुरस्कार ट्रंप

दैनिक ठाणे, शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR



भारत ने पाकिस्तान को हराया, एशियन गेम्स फाइनल में एंट्री

भारत की पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट कटा लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया का एक मेडल और पक्का हो गया है। मेंस हॉकी के पहले सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया है। भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला इतना रोमांचक था कि नतीजे के लिए आखिरी मिनट का इंतजार करना पड़ा। मैच के आखिरी मिनट में भारत ने पाकिस्तान को रौंदकर फाइनल में अपनी जगह बनाई है। मेंस हॉकी के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से मात दी है।

भारत-पाकिस्तान में कांटे की टक्कर

पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने दमदार अंदाज में शुरुआत की। भारत ने पहले क्वार्टर में ही पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी। भारत की स्थिति मुकाबले में तब और अधिक मजबूत हो गई जब भारत ने अपनी बढ़त को दूसरे क्वार्टर में 2-0 से बढ़ाकर 3-0 कर लिया। इसके बाद मुकाबले में पाकिस्तान का पलटवार देखने को मिला पाकिस्तान ने देखते ही देखते भारत की 3-0 की बढ़त को 3-3 की बराबरी में तब्दील कर दिया।

भारत ने जीता मुकाबला

पाकिस्तान के पलटवार से मुकाबला बराबरी पर होने के बाद रोमांच और बढ़ गया। भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें पूरे दमखम के साथ एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश करने लगी। मैच के आखिरी मिनट में गोल दागकर अभिषेक ने भारत को जीत दिलाई। जीत का गोल भारत की तरफ से पाकिस्तान के गोल पोस्ट पर हुआ चौथा गोल था। विनिंग गोल भारत की तरफ से अभिषेक ने किया। इससे पहले भारत की तरफ से 3 और गोल हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत ने दागे थे। हरमनप्रीत सिंह ने 2 गोल और सुखजीत ने एक गोल किया था।

28 साल बाद पुरुष-महिला दोनों फाइनल में

भारत की पुरुष हॉकी टीम के फाइनल में पहुंचने के साथ ही एशियन गेम्स में वह नजारा देखने को मिला जो 28 साल पहले हुआ था। 1998 के बाद यह पहली बार है जब भारत की पुरुष और महिला टीम एशियन गेम्स हॉकी के फाइनल में पहुंची है। महिला टीम ने सेमीफाइनल में कोरिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

अवॉर्ड के बाद बदला है बहुत कुछ : यामी गौतम



फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, यामी से पूछा गया कि क्या इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने के बाद उन पर जिमेदारी का एहसास बढ़ा है और क्या इसका असर भविष्य में उनके द्वारा चुनी जाने वाली फिल्मों और किरदारों पर पड़ेगा। इस पर जवाब देते हुए यामी ने कहा कि इस अवॉर्ड ने उन्हें एक एक्टर के तौर पर और ज्यादा जिम्मेदार महसूस कराया है।

■ हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने हमेशा ऐसे रोल चुनने की कोशिश की है जो उन्हें उत्साहित करें और उन्हें फिल्म में अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मैं उस ज़िम्मेदारी को और भी ज्यादा महसूस करती हूं। एक एक्टर के तौर पर मैंने हमेशा ऐसे रोल की तलाश की है जो न सिर्फ मुझे एक एक्टर के तौर पर दिलचस्प लगें, बल्कि मेरे अंदर का दर्शक भी हमेशा कुछ नया और ओरिजिनल ढूंढने की कोशिश करता है।

■ अपने नेशनल अवॉर्ड के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा कि वह इसे देश भर के कलाकारों के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान और मान्यता मानती हैं। यामी ने कहा कि मुझे लगता है कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड एक बहुत बड़ा सम्मान है। यह हमारे देश में किसी भी भाषा और किसी भी फॉर्मेट के कलाकार के लिए एक सच्ची मान्यता है। मैं इसे पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। और अगर मैं कहूं कि नहीं, कुछ भी नहीं बदला है, तो यह झूठ होगा। नहीं, बदलाव तो आता ही है।

■ यामी ने 'आर्टिकल 370' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता। 2024 की इस पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म ने बेस्ट फीचर फिल्म और बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन के लिए भी नेशनल अवॉर्ड जीते। वहीं 'नई नवेली' 16 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

रोहित शर्मा ने 35वां वनडे शतक ठोककर बनाए 6 रेकॉर्ड



■ सचिन समेत 5 दिग्गज को पछाड़ा; ऐसा करने वाले इकौलते प्लेयर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की। भारत ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 406 रनों का ऐतिहासिक टार्गेट चेज किया। कप्तान शुभमन गिल ने (133 गेंदों में नाबाद 233) दोहरा शतक लगाया। 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने सेंचुर ठोकी। उन्होंने 75 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की बदौलत 101 रनों की पारी खेली। यह रोहित के वनडे करियर का 35वां और इंटरनेशनल क्रिकेट में 52वां शतक था। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी वनडे में सेंचुरी लगाकर रेकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। उन्होंने सचिन तेंडुलकर समेत पांच दिग्गजों को पछाड़ा।

इन दो लिस्ट में सचिन से आगे निकले रोहित

रोहित शर्मा वनडे में दूसरे सबसे तेज 12 हजार रन पूरने करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 282 पारियों में यह आंकड़ा छुआ और सचिन को पीछे छोड़ा। सचिन ने 300 पारियों में ऐसा किया था। विराट कोहली 242 पारियों में 12 हजार बने थे। रोहित वनडे में सफल रनचेज में दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने अब तक सफल रनचेज में 15 शतक लगाए हैं। सचिन (14 शतक) तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं। कोहली इस लिस्ट में 25 सेंचुरी के साथ शीर्ष पर हैं। रोहित वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्धने को पछाड़ा है। रोहित ने 97 बार पचास या उससे अधिक रनों की पारी खेली है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर जयसूर्या और जयवर्धने ने 96-96 मर्तबा ऐसा किया। इस फेहरिस्त में सचिन (145) पहले और कोहली (134) दूसरे नंबर पर हैं।

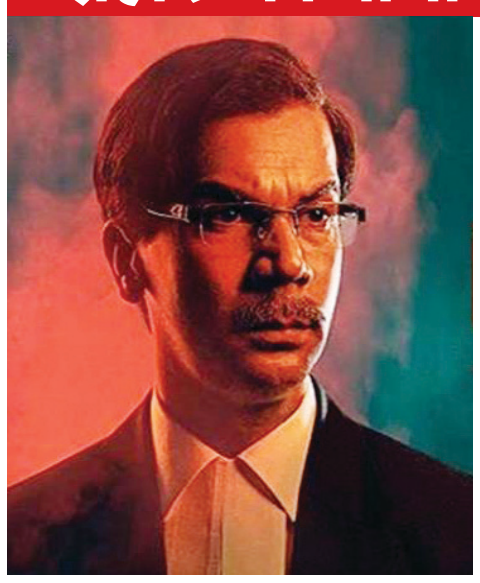
ऐसा करने वाले इकौलते प्लेयर बने रोहित

रोहित शर्मा भारत में वनडे सेंचुरी ठोकने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 39 साल और 153 दिन की उम्र में यह कारनामा किया और सुनील गावस्कर का 1987 का रेकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 38 साल और 113 दिन की उम्र में भारतीय सरमजीं पर वनडे शतक लगाया था। रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा छक्के मारने का रेकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वह कैरेबियन टीम के सामने 44 सिक्स उड़ा चुके हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे में 40 सिक्स जमाए थे। रोहित एक देश में 200 वनडे छक्के लगाने वाले इकलौते प्लेयर बन गए हैं। एक देश में सबसे ज्यादा वनडे छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की फेहरिस्त में दूसरा नंबर वेस्टइंडीज के पूर्व ओपनर क्रिस गेल का है। गेल ने घर पर 147 सिक्स उड़ाए।

रोहित शर्मा ने गुवाहाटी वनडे में बनाए ये 6 रेकॉर्ड

1. रोहित शर्मा वनडे में दूसरे सबसे तेज 12 हजारी बने (282 पारी)
2. सफल रनचेज में दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले (14)
3. वनडे में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वालों की लिस्ट में छठे नंबर (97)
4. भारत में वनडे सेंचुरी ठोकने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर (39 साल153 दिन)
5. वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे सिक्स उड़ाने वाले प्लेयर (44)
6. एक देश में 200 वनडे सिक्स मारने वाले पहले क्रिकेटर बने (भारत)

'प्रहार' का गाना 'मेरे रहते' रिलीज



राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म के ट्रेलर के बाद अब इसका नया गाना 'मेरे रहते' रिलीज कर दिया गया है। टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत इस गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। उन्होंने ही इसका संगीत तैयार किया है, जबकि गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने में देश के प्रति जिम्मेदारी, साहस और उसे हर खतरे से बचाने की भावना को केंद्र में रखा गया है।

26/11 की घटनाओं की झलक दिखाता है म्यूजिक वीडियो

'मेरे रहते' के म्यूजिक वीडियो में 26/11 आतंकी हमलों से जुड़े विजुअल्स के साथ मुंबई की उन जगहों और घटनाओं की झलक दिखाई गई है, जिन्होंने इस हमले के बाद शहर की यादों में अपनी जगह बनाई। इसके साथ ही वीडियो उस कानूनी लड़ाई की ओर भी इशारा करता है, जो हमले के बाद आगे बढ़ी। फिल्म में उज्ज्वल निकम के किरदार को 26/11 मामले में न्याय की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है।

कानून बना उज्ज्वल निकम का हथियार

गाने का मुख्य भाव एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द है, जो देश की रक्षा के लिए हथियार नहीं बल्कि कानून को अपना माध्यम बनाता है। 'प्रहार' में उज्ज्वल निकम की इसी भूमिका और उनके पेशेवर सफर को कहानी का आधार बनाया गया है। 'मेरे रहते' इसी जिम्मेदारी और देश के प्रति प्रतिबद्धता की भावना को संगीत के जरिए सामने रखता है।

विशाल मिश्रा ने बताया गाने से अपना जुड़ाव

गाने के बारे में बात करते हुए विशाल मिश्रा ने कहा कि 26/11 की घटना सभी के दिल के करीब है, खासकर मुंबई से जुड़े लोगों के लिए। उन्होंने बताया कि 'मेरे रहते' की सोच उनके लिए स्वाभाविक थी, क्योंकि देश के प्रति उनका लगाव गहरा है। उनके मुताबिक, गाना 'प्रहार' की साहस, कर्तव्य और देश के लिए खड़े होने की भावना को आगे बढ़ाता है। दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'मेरे रहते' सभी प्रमुख म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जबकि इसका म्यूजिक वीडियो टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है।



प्रिथिका प्रदीप ने जीता गोल्ड

पिंपरी-चिंचवड़ की तीरंदाज प्रिथिका प्रदीप ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर जिले, शहर और महाराष्ट्र का नाम रोशन किया है। जापान के एची-नागोया में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फाइनल में एक भी तीर नहीं चूका

प्रिथिका प्रदीप, ज्योति सुरेखा वेन्नम और चिकिता तनीपार्थी की भारतीय टीम ने फाइनल में शुरुआत से ही चीन पर दबाव बनाए रखा। प्रिथिका ने फाइनल में एक भी तीर लक्ष्य से नहीं चूकने दिया। भारत ने 238 अंक हासिल किए। यह स्कोर दक्षिण कोरिया द्वारा 2014 में बनाए गए विश्व रेकॉर्ड के बराबर रहा।

सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को हराया

स्वर्ण पदक के मुकाबले से पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को कड़ी टक्कर दी। भारत ने यह मुकाबला 234-233 से जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन को पीछे छोड़ दिया।

स्कूल के दिनों में पहचानी गई प्रतिभा

महाराष्ट्र आर्चरी एसोसिएशन की सहसचिव और पिंपरी-चिंचवड़ आर्चरी एसोसिएशन की सचिव सोनल बुंदेले ने कहा कि प्रिथिका की प्रतिभा स्कूल के दिनों में ही पहचान ली गई थी। उन्होंने कहा कि मेहनत, सीखने की ललक और खेल के प्रति समर्पण ने प्रिथिका को एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक तक पहुंचाया है।

कुणाल टावरे का मिला मार्गदर्शन

प्रिथिका की सफलता में उनके प्रशिक्षक कुणाल टावरे के मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिंपरी-चिंचवड़ आर्चरी एसोसिएशन की ओर से शहर में तीरंदाजी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रिथिका की इस उपलब्धि से पिंपरी-चिंचवड़, पुणे और महाराष्ट्र के खेल जगत में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता शहर की युवा खेल प्रतिभाओं के लिए एक नई प्रेरणा के रूप में देखी जा रही है।

भारत को तीसरे वनडे से पहले लगा बड़ा झटका, प्रसिद्ध कृष्णा हुए चोटिल

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला 3 अक्टूबर को मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले भारतीय टीम को तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में एक बड़ा झटका लगा है। स्पोर्ट्स तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रसिद्ध कृष्णा को निगल इंजरी है। ऐसे में प्रसिद्ध कृष्णा का बाहर होना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक चिंता का विषय जरूर बन गया है, क्योंकि वह गेंदबाजी आक्रमण में अहम भूमिका निभा रहे थे।

क्या प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय तक मैदान से रहेंगे बाहर?

आपको बता दें कि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि प्रसिद्ध कृष्णा इस चोट के बाद कितने लंबे समय तक मैदान से बाहर रहेंगे, मगर टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। उनके स्थान पर प्लेइंग इलेवन में किसे मौका मिलेगा, इस पर अभी आधिकारिक मुहर नहीं लगी है, लेकिन चयनकर्ताओं और कप्तान के पास बेंच पर कुछ अच्छे विकल्प मौजूद हैं, जो इस खाली जगह को भरने का पूरा दम रखते हैं।

तीसरा वनडे दोनों टीमों के लिए होगा अहम

न्यू चंडीगढ़ में होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होने वाला है। ऐसे में तीसरा वनडे जीतकर मेहमान वेस्टइंडीज का सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहेगा। वहीं, विंडीज टीम आखिरी वनडे जीतकर अपनी लाज बचाने की कोशिश करेगी। फिलहाली भारतीय टीम ने शुरूआती दोनों मुकाबले जीतकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई हुई है। तेज गेंदबाज कृष्णा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा सीरीज में 2 मैचों में 35.00 की औसत से 3 विकेट लिए हैं। उन्होंने सीरीज के पहले वनडे में 60 रन देते हुए 2 विकेट चटकाए थे। गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे में कृष्णा ने 5 ओवर गेंदबाजी की थी और वह हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते मैदान से बाहर चले गए थे। उन्होंने अपनी गेंदबाजी में 45 रन देते हुए सिर्फ एक विकेट लिया।



अल्लू अर्जुन ने लॉन्च किया 'आइकॉनजा'



नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर अल्लू अर्जुन ने क्रिएटिव कोलैबोरेशन और डिजाइन के लिए तैयार किए गए अपने नए स्पेस 'आइकॉनजा' (Iconzaa) का उद्घाटन किया है। यह उनके पर्सनल और प्रोफेशनल सफर में एक खास पड़ाव माना जा रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने इस नए वेंचर की शुरुआत अपने दिवंगत दादा और मशहूर कॉमिक एक्टर अल्लू रामालिंगैया की जयंती के मौके पर की।

दादा की विरासत को किया याद

अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया पर आइकॉनजा के उद्घाटन से जुड़ी पूजा की तस्वीर शेयर की। इस खास मौके पर उन्होंने बताया कि इस नए वेंचर की शुरुआत के लिए उन्होंने अपने दादा की जयंती का दिन चुना है। अल्लू रामालिंगैया तेलुगु सिनेमा के दिग्गज कलाकारों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने पांच दशक से ज्यादा लंबे करियर में 1,000 से अधिक फिल्मों में काम किया था। उन्हें पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया था। उनके योगदान और विरासत का अल्लू परिवार के साथ-साथ तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में भी खास स्थान है। 'आइकॉनजा' को एक ऐसे सेंटर के तौर पर तैयार किया गया है, जहां क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोग एक साथ आकर नए आइडियाज पर काम कर सकें। यहां डिजाइन और क्रिएटिविटी से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर सहयोग और प्रयोग के लिए जगह तैयार की गई है। दादा अल्लू रामालिंगैया की जयंती पर इस स्पेस की शुरुआत करके अल्लू अर्जुन ने अपनी पारिवारिक विरासत के साथ-साथ आर्ट और एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव विरासत को भी सम्मान दिया है।

द वन के लिए बिहार के थिएटर्स बने मंदिर



सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म द वन ने पूरे देश में आस्था का एक अनोखा माहौल बना दिया है। भारत के पूर्वांचल के राज्यों में द वन को सिर्फ एक फिल्म की तरह नहीं देखा जा रहा, बल्कि ये आस्था का एक अनूठा ढंग बन गया है। द वन फिल्म के थिएटर में रिलीज होने के बाद से ही बिहार के छठ महापर्व को बड़े पर्दे पर देखने के लिए लोगों का सैलाब उमड़ रहा है। सिनेमाघरों में अब मंदिर की तरह वातावरण दिखायी देने लगा है। जहां एक ओर कई लोगों को थिएटर के बाहर चप्पल-जूते उतारते हुए देखा जा सकता है, तो वहीं कई फैंस ऐसे भी है जिन्होंने थिएटर्स में पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ प्रसाद बांटा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप